नवसर्जन संस्कृति

RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 120
दि. 30.08.2025,
शनिवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : VINOD KUMARI Regd. Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Centre, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad-382 424, Gujarat, India.

Phone : 76983 33307 (M) 84859 51747, 70963 33307 ● Email : navsarjansanskruti2016@gmail.com ● Email : navsarjansanskruti2016@yahoo.com ● Website : www.navsarjansanskruti.com

प्रधानमंत्री ने भारत-जापान आर्थिक फोरम में भाग लिया

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और जापान के प्रधानमंत्री श्री शिगेरु इशिबा ने 29 अगस्त 2025 को टोक्यो में भारतीय उद्योग परिसंघ और कीदानरेन [जापान व्यापार महासंघ] द्वारा आयोजित भारत-जापान आर्थिक फोरम में भाग लिया। भारत-जापान बिजनेस लीडर्स फोरम के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों सहित भारत और जापान के उद्योग जगत की प्रमुख हस्तियों ने बैठक में भाग लिया।

अपने संबोधन में, प्रधानमंत्री ने भारत-जापान विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी, विशेष रूप से निवेश, विनिर्माण और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग की सफलता पर प्रकाश डाला। जापानी कंपनियों को भारत में अपनी उपस्थिति और भी अधिक बढ़ाने के लिए आमंत्रित करते हुए, उन्होंने कहा कि भारतीय विकास की गाथा उनके लिए उत्कृष्ट अवसर प्रस्तुत करती है। उन्होंने कहा कि वर्तमान अशांत वैश्विक आर्थिक परिदृश्य के संदर्भ में विश्वसनीय मित्रों के बीच गहरी होती आर्थिक साझेदारी विशेष रूप से प्रासंगिक है। प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि राजनीतिक स्थिरता, नीतिगत पूर्वानुमान, सुधारों को लेकर प्रतिबद्धता और कारोबारी सुगमता के प्रयासों ने भारतीय बाजार में निवेशकों को एक नया विश्वास कायम किया है, जो वैश्विक एजेंसियों द्वारा भारत की नवीनतम क्रेडिट रेटिंग में सुधार से स्पष्ट रूप से परिलक्षित होता है।

भारत और जापान के बीच अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों, विनिर्माण, निवेश और मानव संसाधन सम्बंधी आदान-प्रदान में सहयोग की महत्वपूर्ण क्षमता के बारे में बताते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत वैश्विक विकास में लगभग 18 प्रतिशत योगदान दे रहा है और कुछ वर्षों में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है। दोनों अर्थव्यवस्थाओं के बीच परस्पर सहयोग को देखते हुए, उन्होंने मेक इन इंडिया और अन्य पहलों की दिशा में जापान और भारत के बीच और भी अधिक व्यापारिक सहयोग के लिए पांच प्रमुख क्षेत्रों पर प्रकाश डाला। वे क्षेत्र हैं: बैटरी, रोबोटिक्स, सेमीकंडक्टर, जहाज निर्माण और परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में विनिर्माण;] एआई, क्वांटम कंप्यूटिंग, अंतरिक्ष और जैव प्रौद्योगिकी सहित प्रौद्योगिकी और नवाचार में सहयोग;] हरित ऊर्जा परिवर्तन;अगली पीढ़ी का इन्फ्रास्ट्रक्चर, जिसमें आवागमन, हाई स्पीड रेल और लॉजिस्टिक शामिल हैं; और कौशल विकास और जन-जन

प्रधानमंत्री श्री इशिबा ने अपने संबोधन में, सशक्त आपूर्ति श्रृंखलाओं के निर्माण हेतु भारतीय प्रतिभाओं और जापानी प्रौद्योगिकी के बीच साझेदारी बनाने में जापानी कंपनियों की रुचि का जिक्र किया।

मुख्यमंत्री ने राहत शिविर में बाढ़ प्रभावितों से मुलाकात कर उनकी कुशलक्षेम पूछी तथा लोगों को राहत सामग्री वितरित की

(जीएनएस)।

लखनऊ : (जीएनएस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने आज जनपद वाराणसी में जे0पी0 मेहता इण्टर कॉलेज परिसर में बनाए गए राहत शिविर में बाढ़ प्रभावितों से मुलाकात कर उनकी कुशलक्षेम पूछी तथा लोगों को राहत सामग्री वितरित की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि बाढ़ प्रभावितों के साथ ही राहत शिविर में आश्रय लिए लोगों का पूरा ख्याल रखा जाए तथा सभी बुनियादी सुविधाएं प्राथमिकता पर उपलब्ध करायी जाएं।

मुख्यमंत्री जी ने सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय परिसर स्थित विस्तार भवन में भारत सरकार के सहयोग से चल रहे राष्ट्रीय पाण्डुलिपि मिशन के अन्तर्गत दुर्लभ पाण्डुलिपियों के संरक्षण कार्यों का निरीक्षण एवं अवलोकन किया। उन्होंने पाण्डुलिपियों के संरक्षण कार्यों में तीव्रता लाने के निर्देश दिए। उन्होंने

कहा कि इस कार्य में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा समुचित सहयोग प्रदान किया जाएगा।

मुख्यमंत्री जी ने निमार्णाधीन विश्व के तीसरे और भारत के पहले पब्लिक ट्रांसपोर्ट रोपवे का निरीक्षण कर कार्य की प्रगति देखी। उन्होंने निर्माण कार्य तेजी से व गुणवत्ता के साथ कराए जाने के निर्देश दिए।

ज्ञातव्य है कि लगभग 645 करोड़ रुपये लागत की यह परियोजना भारत सरकार की ह्यपर्वतमाला योजनाह्ल के तहत बनायी जा रही है। इसका उद्देश्य शहर में यातायात की भीड़ को कम करना है, जिससे स्थानीय लोगों और पर्यटकों के लिए यात्रा सुगम हो सके। यह रोपवे लगभग 4.2 किलोमीटर लम्बा है, जो कैण्ट रेलवे स्टेशन (वाराणसी जंक्शन) को चर्च स्क्वायर (गोदौलिया) से जोड़ेगा। इसमें लगभग 220 केबल कार या ट्रॉली कार होंगी, जिनमें से प्रत्येक में 10 यात्री बैठ सकेंगे। यह रोपवे माल और यात्रियों की परिवहन आवश्यकताओं

भारतीय वायु सेना ने उत्तरी पंजाब और जम्मू में बाढ़ के दौरान राहत एवं बचाव अभियान तेज किया

भारतीय वायु सेना (आईएएफ) ने 27 अगस्त, 2025 से उत्तरी भारत में बाढ़ के दौरान राहत एवं बचाव कार्यों को तेज कर दिया है और गंभीर रूप से प्रभावित जम्मू तथा पंजाब जैसे क्षेत्रों में अपने अभियान को आगे बढ़ाते ध्यान केंद्रित किया है।

चल रहे हवाई अभियान

एमआई 17 और चिनूक हेलीकॉप्टरों ने डेरा बाबा नानक, पठानकोट व अखनूर सेक्टरों में जलमग्न क्षेत्रों से भारतीय सेना तथा सीमा सुरक्षा बल के कर्मियों सहित फंसे हुए नागरिकों को निकालने के लिए 55 से अधिक उड़ानें संचालित की हैं।

केंद्र ने वित्तीय राहत प्रदान करते हुए, बोरियों के उपयोग शुल्क में लगभग 40% की वृद्धि की: उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री

केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री श्री प्रल्हाद जोशी ने आज कहा कि केंद्र सरकार ने देश में राज्य सरकारों एवं केंद्र शासित प्रदेशों को वित्तीय राहत प्रदान करने के लिए बोरियों के उपयोग शुल्क में लगभग 40% की वृद्धि की है।

उन्होंने कहा कि इस निर्णय का उद्देश्य खरीद संचालन को सुचारू बनाना है जिससे सतत पैकेजिंग प्रथाओं को समर्थन मिल सके तथा इससे खाद्यान्न खरीद एवं वितरण में केंद्र-राज्य सहयोग भी मजबूत होगा।

लोक सभा अध्यक्ष ने विधि निमार्ताओं से राष्ट्रहित के मुद्दों पर दलगत भावना से ऊपर उठकर कार्य करने का आग्रह किया

(जीएनएस)।

लोक सभा अध्यक्ष, श्री ओम बिरला ने आज विधिनिमार्ताओं से राष्ट्रहित के मुद्दों पर दलगत भावना से ऊपर उठकर कार्य करने का आग्रह किया । उन्होंने विधानमंडलों की बैठकों की संख्या में कमी और विधायी निकायों में सदस्यों के अमर्यादित आचरण पर क्षोभ व्यक्त किया। भुवनेश्वर, ओडिशा में संसद और राज्य विधानमंडलों की अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति कल्याण समितियों के सभापतियों के राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए श्री बिरला ने कहा कि विधानमंडलों में चर्चा-संवाद का स्तर कम होना चिंता का विषय है ।

श्री बिरला ने संविधान के कालातीत मूल्यों के बारे में बात करते हुए कहा कि सामाजिक न्याय और अवसर की समानता न केवल हमारे संविधान की विशेषता है, बल्कि पिछले 75 वर्षों से भारत की लोकतांत्रिक यात्रा का मार्गदर्शन भी कर रही है ।

डॉ. बी.आर. अंबेडकर के विचारों का उल्लेख करते हुए श्री बिरला ने कहा कि वह एक ऐसे भारत की कल्पना करते थे जहां अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और वंचित वर्ग मयार्दा, सम्मान और समान अवसरों के साथ रह सकें। श्री बिरला ने आगे कहा कि दशकों में इस विजन को ठोस रूप दिया गया है, जिससे इन समुदायों के सदस्य भारत के राष्ट्रपति से लेकर मुख्यमंत्रियों और केंद्रीय मंत्रियों तक देश के सर्वोच्च पदों पर आसीन हैं जिससे भारत के लोकतन्त्र की परिपक्वता और समावेशिता का परिचय मिलता है ।

अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण समितियों के सभापतियों का पहला सम्मेलन 1976 में नई दिल्ली में आयोजित किया गया था। इसके बाद, 1979, 1983, 1987 और 2001 में सम्मेलन आयोजित किए गए, जिनमें अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के कल्याण और संवैधानिक सुरक्षोपायों के विभिन्न आयामों पर गहन चर्चा की गई । इस सम्मेलन का आयोजन दिल्ली से बाहर पहली बार किया जा रहा है।

श्री बिरला ने कल्याणकारी योजनाओं को समाज के वंचित वर्गों तक सही मायने में पहुँचाने और उन्हें सशक्त बनाने के लिए सरकारी धन के प्रभावी उपयोग और सुदृढ़ निगरानी तंत्र की आवश्यकता पर बल दिया और समावेशी विकास को गति देने में वित्तीय अनुशासन और प्रशासनिक जवाबदेही की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला।

ग्लोबल मेडटेक शिखर सम्मेलन : विकास के लिए साहसिक लक्ष्य रखें, सरकार की अनुसंधान, विकास और नवोन्मेषण योजना का उपयोग करें: श्री पीयूष गोयल

(जीएनएस)।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल ने आज 17वें सीआईआई ग्लोबल मेडटेक शिखर सम्मेलन को संबोधित किया, जहां उन्होंने उद्योग जगत से विकास के लिए साहसिक लक्ष्य निर्धारित करने और एक जीवंत भारत की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए सरकार की अनुसंधान, विकास एवं नवोन्मेषण योजना का उपयोग करने का आग्रह किया। श्री गोयल ने विशेष रूप से कोविड-19 महामारी के दौरान भारतीय मेडटेक उद्योग की उल्लेखनीय वृद्धि और लचीलेपन के लिए सराहना की। उन्होंने भारत को स्वास्थ्य सेवा में आत्मनिर्भर बनाने में इस क्षेत्र के योगदान की प्रशंसा की और इसे किफायती, उच्च-गुणवत्ता वाले चिकित्सा उपकरण उपलब्ध कराने में वैश्विक रूप से अग्रणी देश बनाने का आग्रह किया।

श्री गोयल ने मेडटेक उद्योग से आयातित वस्तुओं के बाजार से हटकर वैश्विक विनिर्माण और नवोन्मेषण हब बनने का आग्रह किया। उन्होंने कहा

कि हमें अपनी आपूर्ति श्रृंखलाओं को सुरक्षित करने और निर्यात बाजारों के लिए निर्माण करने की आवश्यकता है। उन्होंने घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों बाजारों के लिए किफायती, उच्च-गुणवत्ता वाले चिकित्सा उपकरणों के उत्पादन हेतु अनुसंधान और विकास (आर एंड डी) पर जोर देने की आवश्यकता पर बल दिया।

श्री गोयल ने अपने संबोधन में कहा कि यूरोपीय संघ, मॉरीशस, ओमान, संयुक्त अरब अमीरात, पेरू और चिली के साथ एक व्यापक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर बातचीत अग्रिम चरणों में है। हम अमेरिका के साथ एक द्विपक्षीय व्यापार संधि के लिए भी बातचीत कर रहे हैं। श्री गोयल ने जोर देकर कहा कि ये सभी समझौते, नए अवसरों, नए बाजारों, नए समझौतों, नए निवेश के द्वार खोलेंगे और परिमाण, गुणवत्ता और नवोन्मेषण को बढ़ावा देंगे।

श्री गोयल ने उत्पादन-आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना जैसी विभिन्न पहलों के माध्यम से इस विजन को समर्थन देने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता का विस्तृत विवरण दिया। श्री गोयल ने कहा कि पीएलआई योजना उच्च-मूल्य वाले चिकित्सा उपकरणों के घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने और आयात पर निर्भरता कम करने का एक महत्वपूर्ण साधन है। श्री गोयल ने कहा कि सरकार मेडटेक कंपनियों के लिए अधिक व्यापार-अनुकूल वातावरण बनाने हेतु विनियामक प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रही है।

केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह ने बेंगलुरु, कर्नाटक में किया आईसीएआर के संस्थानों का दौरा

(जीएनएस)।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज बेंगलुरु में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के संस्थानों का दौरा कर समीक्षा बैठक ली, साथ ही किसानों, पशुपालकों, स्टार्टअप चलाने वाले उद्यमियों, वैज्ञानिकों और अन्य हितधारकों से सीधा संवाद किया। इस दौरान श्री शिवराज सिंह ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि भारत अब किसी पर निर्भर नहीं रहेगा। उन्होंने कहा कि किसानों का हित सर्वोपरि रखते हुए हम किसानों की आय बढ़ाने के लिए इंटीग्रेटेड फार्मिंग का मॉडल बना रहे हैं, वहीं किसानों को सावधान करते हुए वे बोले कि पेस्टीसाइड से मित्र कीट, धरती और मनुष्यों के स्वास्थ्य को खतरा है, कीटों के माध्यम से पेस्टीसाइड का उपयोग कम किया जाएगा। साथ ही, श्री शिवराज सिंह ने कहा कि पशुपालकों

को पशुओं में फैलने वाली बीमारी के बारे में पूर्व सूचना देकर बचाव के उपाय किए जाएंगे।

केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह आईसीएआर के राष्ट्रीय पशुरोग जानपदिक एवं सूचना विज्ञान संस्थान की गतिविधियों की जानकारी ली और यहां किसानों व पशुपालकों सहित अन्य हितधारकों से संवाद करते हुए कहा कि आज प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश तेजी से आगे बढ़ रहा है। आज भारत मजबूत है और कोई भारत पर दबाव नहीं डाल सकता, हम स्वतंत्र और संप्रभु राष्ट्र हैं, हमारे फैसले हम खुद करेंगे। हमें दुनिया की कोई ताकत निर्देशित नहीं कर सकती। श्री शिवराज सिंह ने प्रधानमंत्री को धन्यवाद देते हुए कहा कि दुनिया के एक देश ने कोशिश की, कि समझौता हो जाएं तो हमने कह दिया कि हमारे लिए हमारे देश के हित सर्वोपरि हैं, किसानों के हितों से हम कोई समझौता नहीं करेंगे।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल की अध्यक्षता में खेड़ा जिले के गळतेश्वर में आयोजित होगा '76वां वन महोत्सव'

(जीएनएस)।

गांधीनगर, 29अगस्त : प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के ह्यएक पेड़ मां के नामह्ल अभियान को और अधिक सफल बनाने के लिए राज्य सरकार लगातार प्रयासरत है। इस अभियान को गति प्रदान करने के लिए मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल की अध्यक्षता में 30 अगस्त, 2025 को खेड़ा जिले की गळतेश्वर तहसील के सरनाल गांव में स्थित गळतेश्वर महादेव मंदिर के पास ह्य76 वां राज्य स्तरीय वन महोत्सवह्ल मनाया जाएगा। इस अवसर पर वन एवं पर्यावरण मंत्री श्री मुळुभाई बेरा और राज्य मंत्री श्री मुकेश भाई पटेल विशेष रूप से मौजूद रहेंगे।

वन एवं पर्यावरण विभाग की विज्ञप्ति के अनुसार मुख्यमंत्री सहित महानुभावों की उपस्थिति में शनिवार सुबह 10 बजे पांच हेक्टेयर क्षेत्र में बने 24वें सांस्कृतिक वन ह्यगळतेश्वर वनह्ल का लोकार्पण समारोह आयोजित होगा। इस अवसर पर महानुभावों के करकमलों से लाभार्थियों को विभिन्न योजनाओं के लाभ और प्रशस्ति पत्र का वितरण किया जाएगा। महीसागर नदी के किनारे बना यह वन 300 से अधिक प्रजातियों के रोपण के साथ इस क्षेत्र को जैव विविधता से समृद्ध करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

केन्द्रीय गृह श्री अमित शाह ने आज गुवाहाटी में असम के पूर्व मुख्यमंत्री गोलाप बरबोरा के जन्मशती समारोह को संबोधित किया

(जीएनएस)।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आज असम के गुवाहाटी में राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री श्री गोलाप बरबोरा के जन्मशती समारोह को संबोधित किया। इस अवसर पर असम के मुख्यमंत्री श्री हिमंत बिस्वा सरमा, केन्द्रीय पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्री श्री सबार्नंद सोनोवाल और विदेश राज्य मंत्री श्री पबित्र मार्गेरिटा सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

असम के पूर्व मुख्यमंत्री को स्मरण करते हुए केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि श्री गोलाप बरबोरा ने स्वतंत्रता आंदोलन, आजादी प्राप्त होने के बाद लोकतंत्र को बचाने के आंदोलन और समाजवादी विचारधारा की सभी अच्छाइयों को असम राज्य में धरातल पर उतारा। भारत रत्न से सम्मानित असम के प्रख्यात गायक रहे भूपेन हजारिका की उक्ति - ह्यमनुष्य मनुष्य के लिए है और जीवन जीवन के

लिए हैह्ल - का जिक्र करते हुए श्री शाह ने कहा कि गोलाप बरबोरा ने इस उक्ति को जीवन भर चरितार्थ किया। उन्होंने कहा कि गोलाप बरबोरा इस सिद्धांत का पालन कर जीवन भर शोषित और वंचित वर्ग की आवाज बने रहे, संविधान की मयार्दा की रक्षा की, सत्तावाद और भ्रष्टाचार के खिलाफ अलख जगाई और असम की विशिष्ट पहचान के साथ-साथ असम में बसी देश की आत्मा को जागरूक करने का काम किया।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि 1978 में जब गोलाप बरबोरा असम के मुख्यमंत्री बने, तो यह असम के राजनीतिक इतिहास में एक बड़े परिवर्तन की शुरूआत थी। आजादी के बाद 1978 तक असम में तत्कालीन सत्तारूढ़ पार्टी के अलावा किसी और दल का मुख्यमंत्री नहीं बना था। उन्होंने कहा कि गोलाप बरबोरा ने मात्र 17 महीनों के छोटे से कार्यकाल में मुख्यमंत्री के तौर पर अपनी अमिट छाप छोड़ी। श्री शाह ने कहा कि गोलाप बरबोरा ने 1974 में ऐतिहासिक रेलवे हड़ताल में मजदूरों का नेतृत्व किया। उन्होंने आपातकाल के दौरान तत्कालीन प्रधानमंत्री का पुरजोर विरोध किया और जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में चले आंदोलन में गोलाप बरबोरा असम की आवाज बने। वे पहली बार असम से एक वोट के अंतर से राज्यसभा में विपक्ष के सदस्य के रूप में चुने गए। वह एक वोट भूपेन हजारिका का था, जिन्होंने गोलाप बरबोरा को राज्यसभा भेजने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

श्री अमित शाह ने कहा कि मुख्य विपक्षी दल के शासनकाल में उनके नेताओं के नाम पर योजनाएँ शुरू की गईं।

उत्तर पूर्व रेलवे के गोरखपुर-गोंडा खंड एवं गोरखपुर-आनन्द नगर खंड में ब्लॉक के कारण पश्चिम रेलवे की कुछ ट्रेनें होंगी प्रभावित

मुंबई, गोरखपुर-डोमिनगढ़ स्टेशनों के बीच तृतीय लाइन कमीशनिंग कार्य तथा गोरखपुर-नकहा जंगल स्टेशनों के बीच डबलिंग कार्य हेतु उत्तर पूर्व रेलवे पर 22 सितंबर से 26 सितंबर, 2025 तक ब्लॉक लिया जाएगा। इस कारण पश्चिम रेलवे की कुछ ट्रेनें निरस्त, आंशिक रूप से निरस्त तथा परिवर्तित मार्ग से चलेंगी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, प्रभावित ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार हैः

निरस्त होने वाली ट्रेनेंः

1. 26 सितंबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 15068 बांद्रा टर्मिनस-गोरखपुर एक्सप्रेस निरस्त रहेगी।

2. 24 सितंबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 15067 गोरखपुर-बांद्रा टर्मिनस एक्सप्रेस निरस्त रहेगी।

3. 28 सितंबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 15046 ओखा-गोरखपुर एक्सप्रेस निरस्त रहेगी।

4. 25 सितंबर, 2025 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 15045 गोरखपुर-ओखा एक्सप्रेस निरस्त रहेगी।

शॉर्ट टर्मिनेट/ओरिजिनेट/आंशिक रूप से निरस्त होने वाली ट्रेनेंः

1. ट्रेन संख्या 19489 अहमदाबाद-गोरखपुर एक्सप्रेस 23 से 26 सितंबर, 2025 तक वाराणसी स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट होगी। इसलिए, यह ट्रेन वाराणसी और गोरखपुर के बीच आंशिक रूप से निरस्त रहेगी।

2. ट्रेन संख्या 19490 गोरखपुर-अहमदाबाद एक्सप्रेस 24 से 27 सितंबर, 2025 तक वाराणसी स्टेशन से शॉर्ट ओरिजिनेट होगी। इसलिए, यह ट्रेन गोरखपुर और वाराणसी के बीच आंशिक रूप से निरस्त रहेगी।

3. ट्रेन संख्या 19091 बांद्रा टर्मिनस-गोरखपुर हमसफर एक्सप्रेस 22 सितंबर, 2025 को वाराणसी स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट होगी। इसलिए, यह ट्रेन वाराणसी और गोरखपुर के बीच आंशिक रूप से निरस्त रहेगी।

4. ट्रेन संख्या 19092 गोरखपुर-बांद्रा टर्मिनस हमसफर एक्सप्रेस 23

उत्तर रेलवे के कठुआ-माधोपुर पंजाब सेक्शन बारिश के कारण रेल यातायात प्रभावित

उत्तर रेलवे के कठुआ-माधोपुर पंजाब सेक्शन में डाउन लाइन पर ब्रिज संख्या 17 पर बारिश के चलते मिसअलाइमेंट होने के कारण रेल यातायात स्थगित किया गया है। जिसके कारण अहमदाबाद मण्डल से चलने/गुजरने वाली कुछ ट्रेनें प्रभावित रहेगी। जिसका विवरण निम्नानुसार हैः

निरस्त ट्रेनेंः-

1. दिनांक 31.08.2025 की ट्रेन संख्या 19223 साबरमती-जम्मू तवी एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

2. दिनांक 31.08.2025 की ट्रेन संख्या 12478 श्री माता वैष्णो देवी कटरा- जामनगर एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

3. दिनांक 31.08.2025 की ट्रेन संख्या 19415 साबरमती-श्री माता वैष्णो देवी कटरा एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

4. दिनांक 31.08.2025 की ट्रेन संख्या 19224 जम्मू तवी-साबरमती एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

5. दिनांक 31.08.2025 की ट्रेन संख्या 19107 भावनगर टर्मिनस-शहीद कप्तान तुषार महाजन ऊधमपुर एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

ट्रेनों के ठहराव, समय और संरचना के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया ६६६.ल्ल०४१८.ल्ल्रल्लि१ ॅ.ङ्ग५.ल्ल

पश्चिम रेलवे द्वारा चार जोड़ी स्पेशल ट्रेनों के फेरे विस्तारित

मुंबई,

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा विशेष तौर पर त्योहारी सीजन के दौरान उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से विशेष किराए पर 04 जोड़ी स्पेशल ट्रेनों के फेरों को विस्तारित किया गया है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इन ट्रेनों का विवरण इस प्रकार हैः

ट्रेन संख्या 09189/09190 मुंबई सेंट्रल - कटिहार (साप्ताहिक) स्पेशल

ट्रेन संख्या 09189 मुंबई सेंट्रल - कटिहार स्पेशल को 27 दिसंबर, 2025 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09190 कटिहार - मुंबई सेंट्रल स्पेशल को 30 दिसंबर, 2025 तक विस्तारित किया गया है।

ट्रेन संख्या 09049/09050 दादर - भुसावल (साप्ताहिक) स्पेशल

ट्रेन संख्या 09049 दादर - भुसावल स्पेशल को 26 दिसंबर, 2025 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09050 भुसावल - दादर स्पेशल को 26 दिसंबर, 2025 तक विस्तारित किया गया है।

ट्रेन संख्या 09051/09052 दादर - भुसावल (त्रि-साप्ताहिक) स्पेशल

ट्रेन संख्या 09051 दादर-भुसावल स्पेशल को 31 दिसंबर, 2025 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09052 भुसावल-दादर स्पेशल को 31 दिसंबर, 2025 तक विस्तारित किया गया है।

ट्रेन संख्या 09057/09058 उधना-मंगलूरु (द्वि-साप्ताहिक) स्पेशल

ट्रेन संख्या 09057 उधना-मंगलूरु स्पेशल को 31 दिसंबर, 2025 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09058 मंगलूरु-उधना स्पेशल को 1 जनवरी, 2026 तक विस्तारित किया गया है।

ट्रेन संख्या 09189, 09049, 09051 एवं 09057 के विस्तारित फेरों की बुकिंग 1 सितम्बर, 2025 से पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

पश्चिम रेलवे पर रविवार, 31 अगस्त, 2025 को दिवसकालीन ब्लॉक नहीं

मुंबई, पश्चिम रेलवे का मुंबई सेंट्रल (मेन) स्टेशन पर 30/31 अगस्त, 2025 की मध्यरात्रि को रात्रिकालीन ब्लॉक

रेल पथ, सिगनलिंग प्रणाली तथा ऊपरी उपस्करों के रख-रखाव हेतु शनिवार/रविवार यानी 30/31 अगस्त, 2025 की मध्यरात्रि को मुंबई सेंट्रल (मेन) स्टेशन की सभी लाइनों पर 00:30 बजे से 04.00 बजे तक जम्बो ब्लॉक लिया जाएगा।

पश्चिम रेलवे के उपनगरीय खंड पर रविवार, 31 अगस्त, 2025 को कोई दिवसकालीन ब्लॉक नहीं रहेगा।

भावनगर रेलवे मंडल पर 'मनोवैज्ञानिक मार्गदर्शन शिविर' का आयोजन

पश्चिम रेलवे के भावनगर मंडल में रनिंग स्टाफ एवं अन्य विभागों के सभी कर्मचारियों के लिए 'मनोवैज्ञानिक मार्गदर्शन शिविर' का आयोजन किया गया। यह शिविर 29 अगस्त, 2025 (शुक्रवार) को भावनगर परा स्थित कम्युनिटी हॉल में आयोजित हुआ।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अतुल कुमार त्रिपाठी के अनुसार यह शिविर अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री हिमाँशु शर्मा की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस आयोजन का संचालन स्थापना विभाग की वेलफेयर टीम द्वारा वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी श्री हुबलाल जगन की अगुवाई एवं उनके दिशा-निर्देशों में कर्मचारी हित निधि (रइऋ) से किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री हिमाँशु शर्मा एवं उपस्थित अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन से किया गया। इसके उपरांत 'तनाव मुक्त जीवन' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ब्रम्ह कुमारी संस्थान, भावनगर के प्रतिनिधियों ने जीवन में मानसिक तनाव को दूर करने की विभिन्न विधियाँ बताईं तथा योग और प्राणायाम को जीवनशैली का हिस्सा बनाने पर बल दिया।

अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री हिमाँशु शर्मा ने अपने प्रासंगिक उद्बोधन में कर्मचारियों को सकारात्मक सोच एवं संतुलित जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया।

इस अवसर पर अधिकारियों के साथ भावनगर मंडल के लोको पायलट, ट्रेन मैनेजर, गुड्स गार्ड सहित बड़ी संख्या में महिला व पुरूष कर्मचारी मौजूद रहे।

उत्तर रेलवे के कठुआ-माधोपुर पंजाब सेक्शन भारी बारिश के कारण रेल यातायात प्रभावित

उत्तर रेलवे के कठुआ-माधोपुर पंजाब सेक्शन में डाउन लाइन पर ब्रिज संख्या 17 पर भारी बारिश के चलते मिसअलाइमेंट होने के कारण रेल यातायात स्थगित किया गया है। जिसके कारण अहमदाबाद मण्डल से चलने/गुजरने वाली कुछ ट्रेनें प्रभावित रहेगी। जिसका विवरण निम्नानुसार हैः

निरस्त ट्रेनेंः-

1. दिनांक 30.08.2025 की ट्रेन संख्या 19223 साबरमती-जम्मू तवी एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

2. दिनांक 30.08.2025 की ट्रेन संख्या 19027 बांद्रा टर्मिनस-जम्मू तवी एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

3. दिनांक 30.08.2025 की ट्रेन संख्या 12473 गांधीधाम-श्री माता वैष्णो देवी कटरा एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

4. दिनांक 30.08.2025 की ट्रेन संख्या 19224 जम्मू तवी-साबरमती एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

ट्रेनों के ठहराव, समय और संरचना के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

पूजा स्पेशल ट्रेनों से सफर होगा आसान, 2024 अतिरिक्त ट्रिप्स की अधिसूचना जारी

त्योहारों का मौसम शुरू होते ही रेल यात्रियों की संख्या में बढ़ोतरी देखी जाती है। इसी बढ़ती मांग को ध्यान में रखते हुए, भारतीय रेल ने यात्रियों की सुविधा के लिए हजारों विशेष ट्रेन सेवाओं के संचालन का फैसला लिया है। बिहार जाने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए ही 12000 से अधिक ट्रेनों को चलाने की योजना बनाई जा चुकी है। जिन ट्रेनों के संचालन की योजना बन चुकी है उनका नोटिफिकेशन भी अब जारी किया जाना प्रारंभ हो चुका है । 21 सितंबर से 30 नवंबर 2025 तक कुल 150 पूजा स्पेशल ट्रेनों का संचालन संबंधी अधिसूचना जारी कर दी गई है जिनके माध्यम से कुल 2024 अतिरिक्त फेरे (ट्रिप्स) सुनिश्चित किए जाएंगे।

भारतीय रेल द्वारा यह निर्णय त्योहारों के अवसर पर देश के विभिन्न हिस्सों से यात्रियों की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करने और उन्हें अपने प्रियजनों के साथ उत्सव मनाने का अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से लिया गया है। विशेष रूप से उत्तर भारत, पूर्वी भारत और दक्षिण भारत के बड़े स्टेशनों से चलने वाली इन ट्रेनों से महानगरों और ग्रामीण इलाकों के बीच बेहतर संपर्क सुनिश्चित किया गया है।

पूजा स्पेशल इन ट्रेनों की श्रृंखला के तहत दक्षिण मध्य रेलवे द्वारा सर्वाधिक 48 ट्रेनें चलाई जाएंगी, जो 684 ट्रिप्स पूरा करेंगी। इन ट्रेनों का संचालन मुख्यतः हैदराबाद, सिकंदराबाद और विजयवाड़ा जैसे प्रमुख स्टेशनों से किया जाएगा। पूर्व मध्य रेलवे ने 14 ट्रेनें अधिसूचित की हैं, जो पटना, गया, दरभंगा और मुजफ़्फ़रपुर जैसे बिहार के प्रमुख स्टेशनों से होकर गुजरेंगी और कुल 588 ट्रिप्स लगाएंगी। पूर्व रेलवे द्वारा कोलकाता, सियालदह, हावड़ा जैसे भीड़भाड़ वाले स्टेशनों से 24 विशेष ट्रेनें चलाई जाएंगी, जिनके मदद से 198 ट्रिप्स संचालित होंगी।

वहीं पश्चिम रेलवे ने मुंबई, सूरत, वडोदरा जैसे शहरों से 24 स्पेशल ट्रेनें घोषित की हैं जो 204 ट्रिप्स पूरी करेंगी। दक्षिण रेलवे द्वारा चेन्नै, कोयंबत्तूर, मदुरै जैसे स्टेशनों से 10 ट्रेनें चलाई जाएंगी, जिनसे 66 ट्रिप्स होंगी। इसके अलावा पूर्व तट रेलवे से भुवनेश्वर, पुरी और सम्बलपुर, दक्षिण पूर्व रेलवे से रांची, टाटानगर, उत्तर मध्य रेलवे से प्रयागराज, कानपुर, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से बिलासपुर, रायपुर और पश्चिम मध्य रेलवे से भोपाल, कोटा जैसे स्टेशनों को जोड़ते हुए विशेष ट्रेनें संचालित की जाएंगी।

स्पेशल ट्रेनों की सूची, समय सारणी, रूट और ठहराव की विस्तृत जानकारी रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट, कम्ळ्ळव और नजदीकी रेलवे स्टेशनों पर उपलब्ध है। रेलवे यात्रियों से अपील करता है कि वे इन विशेष ट्रेनों में यात्रा करने के लिए अग्रिम बुकिंग कराएं और अपने टिकट की पुष्टि सुनिश्चित करें। साथ ही यात्रियों से यह भी अनुरोध किया जाता है कि सफर के दौरान रेल मंत्रालय द्वारा जारी सुरक्षा और स्वच्छता से संबंधित दिशा-निर्देशों का पालन करें।

पश्चिम रेलवे चलाएगी वडोदरा - कोलकाता के बीच साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन

यात्रियों की सुविधा हेतु तथा दुर्गा पूजा, दीपावली एवं छठ पूजा के अवसर पर बढ़ती हुई यात्रा की मांग को ध्यान में रखते हुए, पश्चिम रेलवे द्वारा वडोदरा - कोलकाता के बीच विशेष किराये पर स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जाएगा।

ट्रेनों का विवरण इस प्रकार हैः

1. ट्रेन संख्या 03110/03109 वडोदरा - कोलकाता साप्ताहिक स्पेशल [18 फेरे]

ट्रेन संख्या 03110 वडोदरा - कोलकाता स्पेशल प्रत्येक गुरुवार को वडोदरा से 16:45 बजे प्रस्थान करेगी और शनिवार को 04:05 बजे कोलकाता पहुँचेगी। यह ट्रेन 2 अक्टूबर से 27 नवम्बर, 2025 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 03109 कोलकाता - वडोदरा स्पेशल प्रत्येक मंगलवार को कोलकाता से 08:00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 19:45 बजे वडोदरा पहुँचेगी। यह ट्रेन 30 सितम्बर से 25 नवम्बर, 2025 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में गोधरा, रतलाम, कोटा, गंगापुर सिटी, इदगाह आगरा, टुंडला, गोविंदपुरी, प्रयागराज, पं. दीनदयाल उपाध्याय, सासाराम, गया, तिलैया, नवादा, शेखपुरा, किऊल, झाझा, जसीडीह, मधुपुर, चित्तरंजन, आसनसोल, दुर्गापुर तथा बर्द्धमान स्टेशनों पर ठहरेगी।

इस ट्रेन में एसी-3 टियर, स्लीपर क्लास एवं द्वितीय श्रेणी के सामान्य डिब्बे होंगे।

ट्रेन संख्या 03110 की बुकिंग 30 अगस्त, 2025 से पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, समय और संरचना के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने अधिकारियों को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर बन रहे होल्डिंग एरिया को जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए

त्योहारों के दौरान बेहतर भीड़ प्रबंधन के लिए बनाए जा रहे हैं ये होल्डिंग एरिया

नई दिल्ली, (जीएनएस)। आज माननीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव एक कार्यक्रम में शामिल होने नई दिल्ली स्टेशन पहुँचे। इस दौरान उन्होंने स्टेशन परिसर में बन रहे होल्डिंग एरिया का जायजा लिया और वहाँ मौजूद अधिकारियों को होल्डिंग एरिया का काम जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए।

त्योहारों के दौरान, जब यात्रियों की भीड़ बढ़ जाती है, यात्रियों के सुचारू प्रबंधन के लिए नई दिल्ली रेलवे स्टेशन परिसर के अजमेरी गेट की ओर एक स्थायी होल्डिंग एरिया बनाया जा रहा है। होल्डिंग एरिया को तीन कार्यात्मक क्षेत्रों में विभाजित किया जाएगा

प्री-टिकटिंग एरियाः 1950 वर्ग मीटर - इस जगह पर व्यस्त समय में लगभग 2700 यात्री बैठ सकते हैं।

टिकटिंग एरियाः 2288 वर्ग मीटरः इसमें यात्रियों की सुचारू आवाजाही के लिए 3100 यात्री बैठ सकते हैं।

टिकट-पश्चात क्षेत्रः 1570 वर्ग मीटरः इसमें लगभग 1350 यात्रियों के बैठने की व्यवस्था है, जिससे कतार में लगने, सुरक्षा जाँच और सामान की स्कैनिंग के लिए पर्याप्त जगह उपलब्ध है।

इस समर्पित होल्डिंग क्षेत्र में यात्रियों के लिए निम्नलिखित सुविधाएँ उपलब्ध होंगीः

- 22 टिकट काउंटर
- 2 शौचालय ब्लॉक
- जन संबोधन प्रणाली
- सूचना के लिए इलेक्ट्रॉनिक डिस्प्ले बोर्ड
- ए आई आधारित निगरानी कैमरे
- सामान स्कैनर
- यात्रियों के मार्गदर्शन के लिए साइनेज
- मेट्रो कनेक्टिविटी से एकीकृत

वर्तमान में, इस होल्डिंग क्षेत्र का निर्माण कार्य प्रगति पर है। इस होल्डिंग क्षेत्र के निर्माण के दौरान, एटीएम काउंटरों को स्थानांतरित करना, दो इलेक्ट्रिक हाईमास्ट को स्थानांतरित करना, दो मोबाइल टावरों को हटाना, प्रीपेड टैक्सी स्टैंड को स्थानांतरित करना, दिल्ली पुलिस केबिन को स्थानांतरित करना जैसे कई चुनौतीपूर्ण कार्य किए जा रहे हैं।

असारवा और कानपुर सेंट्रल के बीच साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन का संचालन

रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों की मांग एवं सुविधा को ध्यान में रखते हुए असारवा और कानपुर सेंट्रल के बीच विशेष किराये पर साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया है। जिसका विवरण निम्नानुसार हैः

ट्रेन संख्या 01906/01905 असारवा-कानपुर सेंट्रल-असारवा साप्ताहिक स्पेशल (14 फेरे)

ट्रेन संख्या 01906 असारवा-कानपुर सेंट्रल स्पेशल 23 सितंबर 2025 से 04 नवंबर 2025 तक असारवा से प्रति मंगलवार 09.15 बजे प्रस्थान करेगी तथा अगले दिन 07.00 बजे कानपुर सेंट्रल पहुंचेगी। इस तरह ट्रेन संख्या 01905 कानपुर सेंट्रल-असारवा स्पेशल 22 सितंबर 2025 से 03 नवंबर 2025 तक कानपुर सेंट्रल से प्रति सोमवार 08.15 बजे प्रस्थान करेगी तथा अगले दिन 05.45 बजे असारवा पहुंचेगी।

मार्ग में दोनों दिशाओं में यह ट्रेन हिम्मतनगर, डूंगरपुर, जावर, उदयपुर सिटी, मावली, चंदेरिया, मांडल गढ़, बूंदी, केशोराय पाटन, सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी, बयाना और फतेहपुर सीकरी, ईदगाह, टूंडला, फिरोजाबाद तथा इटावा स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, स्लीपर एवं सामान्य श्रेणी के कोच रहेंगे।

ट्रेन संख्या 01906 की बुकिंग 30 अगस्त 2025 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, समय और संरचना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

सरकार ने लाइव इवेंट और कॉन्सर्ट अर्थव्यवस्था पर वार्ता शुरू की, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सचिव ने नई दिल्ली में संयुक्त कार्य समूह (जेडब्ल्यूजी) की पहली बैठक की अध्यक्षता की

(जीएनएस)।

लाइव इवेंट उद्योग को बढ़ावा देने के लिए संयुक्त कार्य समूह (जेडब्ल्यूजी) की पहली बैठक 26 अगस्त को राष्ट्रीय मीडिया केंद्र, नई दिल्ली में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सचिव श्री संजय जाजू की अध्यक्षता में आयोजित की गई।

अपने हाल के संबोधनों में, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भारत के लाइव मनोरंजन क्षेत्र की विशाल अप्रयुक्त क्षमता पर प्रकाश डाला और रोजगार, निवेश, पर्यटन और भारत के सांस्कृतिक एवं वैश्विक प्रभाव के प्रमुख प्रेरक के रूप में इसकी भूमिका पर जोर दिया। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव के निर्देशन में जुलाई 2025 में गठित, संयुक्त कार्य समूह (जेडब्ल्यूजी) भारत की कॉन्सर्ट अर्थव्यवस्था को आकार देने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों, उद्योग संघों, संगीत अधिकार समितियों और प्रमुख इवेंट कंपनियों के प्रतिनिधियों को एक साथ लाता है।

बैठक में सूचना एवं प्रसारण, संस्कृति, युवा कार्यक्रम एवं खेल, कौशल विकास एवं उद्यमिता, वित्त मंत्रालय, उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) और भारतीय खेल प्राधिकरण के प्रमुख प्रतिनिधियों ने भाग लिया। संयुक्त कार्य समूह की पहली बैठक में महाराष्ट्र, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक राज्य सरकारों के अधिकारी भी उपस्थित थे।

संयुक्त कार्य समूह की बैठक में ईईएमए, फिक्की, सीआईआई, आईएलईए जैसे उद्योग संघों और बुकमाईशो, विजक्राफ्ट, सारेगामा, डिस्ट्रिक्ट बाय जोमैटो, टचवुड एंटरटेनमेंट लिमिटेड सहित सभी प्रमुख हितधारकों ने भाग लिया। बैठक में आईपीआरएस, पीपीएल, आरएमपीएल और आईएमआई ट्रस्ट सहित अधिकार संगठनों के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

मुख्य परिणाम

एकल खिड़की प्लेटफार्मः व्यापार में आसानी के लिए इंडिया सिने हब पोर्टल में लाइव इवेंट क्लीयरेंस का एकीकरण।

संगीत लाइसेंसिंग और आईपी अधिकारः अधिकार समितियों के सहयोग से अक्टूबर 2025 तक एक केंद्रीकृत डिजिटल संगीत लाइसेंसिंग रजिस्ट्री का शुभारंभ।

बुनियादी ढांचे का विकासः लाइव कार्यक्रमों के लिए स्टेडियमों और सार्वजनिक स्थानों के बहु-उपयोग की अनुमति देने और राज्यों में नए हरित क्षेत्र स्थल विकास को बढ़ावा देने के लिए एक आदर्श नीति का निर्माण।

कौशल विकास : राष्ट्रीय कौशल योग्यता फ्रेमवर्क (एनएसक्यूएफ) में लाइव मनोरंजन कौशल को शामिल करना।

वित्तीय प्रोत्साहन : लाइव मनोरंजन क्षेत्र के लिए जीएसटी छूट, मिश्रित वित्त मॉडल, सब्सिडी और एमएसएमई मान्यता पर विचार।

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सचिव ने 2030 तक भारत को दुनिया के शीर्ष 5 लाइव मनोरंजन स्थलों में से एक बनाने की सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर दिया, जिससे 1.5-2 करोड़ रोजगार सृजित होंगे, इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार होगा और भारत के वैश्विक सांस्कृतिक प्रभाव को मजबूत किया जा सकेगा। उन्होंने यह भी कहा कि संयुक्त कार्य समूह, इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण, रोजगार, पर्यटन और सांस्कृतिक सॉफ्ट पावर के इंजन के रूप में कॉन्सर्ट अर्थव्यवस्था का दोहन करने के लिए मिशन मोड में काम करेगा।

पृष्ठभूमि

भारत का लाइव मनोरंजन बाजार, 2024 में 20,861 करोड़ रुपये के समतुल्य था और जो सालाना 15 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है, मीडिया और मनोरंजन उद्योग के सबसे तेजी से बढ़ते क्षेत्रों में से एक है। टियर-1 और टियर-2 शहरों में बढ़ती मांग, बढ़ते संगीत पर्यटन और प्रीमियम दर्शकों के अनुभवों के साथ, यह क्षेत्र भारत की रचनात्मक अर्थव्यवस्था के एक महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में उभर रहा है।

संयुक्त कार्य समूह समय-समय पर उप-समूहों की प्रगति पर नजर रखने और समेकित नीतिगत सिफारिशें प्रस्तुत करने के लिए बैठकें करेगा, जो वेव्स 2025 शिखर सम्मेलन में प्रस्तुत श्वेत पत्र "भारत की लाइव इवेंट अर्थव्यवस्थाः रणनीतिक विकास की एक अनिवार्यता" पर आधारित होगी।

केंद्रीय संचार मंत्री श्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने आईआईआईटी-दिल्ली टेक फेस्ट में युवाओं को 'विश्वगुरु भारत' बनाने के आह्वान के साथ मंत्रमुग्ध किया

(जीएनएस)।

केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने आईआईआईटी-दिल्ली के टेक फेस्ॅट ह्यईएसवाईएह्ल में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए युवाओं से ह्यविश्वगुरु भारतह्ल के रूप में भारत के अगले अध्याय का नेतृत्व करने का जोरदार आह्वान किया। भारत के वैश्विक ज्ञान केंद्र के रूप में भारत की गौरवशाली विरासत का उल्लेख करते हुए श्री सिंधिया ने कहा, "आर्यभट्ट के शून्य से लेकर चिकित्सा विज्ञान और शल्य चिकित्सा में हुई उन्नति तक, नालंदा और तक्षशिला ने दुनिया भर से ज्ञान के जिज्ञासुओं को अपनी और आकर्षित किया। ज्ञान की यह खोज हमारे डीएनए में है। हार्वर्ड का सबसे बड़ा पुस्तकालय भी नालंदा के सामने फीका पड़ जाता है। वह चिंगारी आज भी हमारे भीतर मौजूद है।"

टेक फेस्ट को "साहसिक सपनों को हकीकत में बदलने करने का लांचपैड" बताते हुए सिंधिया ने इस बात पर जोर दिया कि भारत का उदय इसके युवाओं के कंधों पर टिका है।

एआई, 6जी और क्वांटमः अगली सदी के लिए निर्माण

प्रौद्योगिकी पर बोलते हुए उन्होंने एआई की भूमिका दोहराई और कहा कि जिस प्रकार 40 वर्ष सूचना प्रौद्योगिकी ने परिवर्तन किया, वैसा ही आज एआई करेगा। लेकिन कार्य केवल एआई का निर्माण करना नहीं है, बल्कि ह्यसभी के लिए ज़िम्मेदार एआई' का बनाना है, जो मानवता को ऊंचा उठाए, ना कि उस पर हावी हो। श्री सिंधिया ने अग्रणी प्रौद्योगिकियों में भारत की बढ़ती नेतृत्व क्षमता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि दूरसंचार प्रौद्योगिकी विकास कोष (टीटीडीएफ) ने पहले ही 120 से अधिक भविष्योन्मुखी परियोजनाओं में निवेश किया है, जिनमें क्वांटम कंप्यूटिंग, टेराहर्ट्ज़ संचार, बायो-नैनो सिस्टम, स्वदेशी चिपसेट और एन्क्रिप्टेड राउटर शामिल हैं। उन्होंने पुनः पुष्टि की कि भारत का लक्ष्य 6जी में वैश्विक अग्रणी बनना है और 2030 तक विश्व के कुल पेटेंट में कम से कम 10 प्रतिशत योगदान देना है और इस महत्वकांक्षी लक्ष्य का केंद्र भारत के विद्यार्थी ही हैं।

मूल्यों को केंद्र में रखें : भारत के लिए निर्माण

श्री सिंधिया ने छात्रों को याद दिलाया कि भारत का उदय इसके सभ्यतागत मूल्यों पर आधारित है : "हम एक ऐसा देश हैं जिसने कभी युद्ध की बात नहीं की, जो वसुधैव कुटुम्बकम में विश्वास करता है।" उन्होंने छात्रों से भारत के लिए ऐसे समाधान बनाने का आग्रह किया, जो सटीक कृषि का इंतजार कर रहे किसान, डिजिटल कक्षा में पढ़ रहे बच्चे और टेली-हेल्थ पर निर्भर छोटे शहर के रोगी के लिए हों।

ब्रेन ड्रेन से ब्रेन गेन की ओर

भविष्य के उन नवप्रवर्तकों को संबोधित करते हुए जो विदेश में अध्ययन कर सकते हैं, श्री सिंधिया ने उनसे अपील की कि वे सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों में अध्ययन करें, सर्वश्रेष्ठ प्रयोगशालाओं में काम करें, लेकिन अपने ज्ञान और अपनी महत्वकांक्षा को लेकर घर वापस आएं और भारत को फिर से 'सोने की चिड़िया' बनाएं, ब्रेन ड्रेन को ब्रेन गेन में बदलें।

बीआरबी के तीन मंत्र

अंत में उन्होंने युवाओं को तीन मार्गदर्शक सिद्धांत दिएः "साहसी बनो, अपनी जड़ों से जुड़े रहो और भारत के लिए निर्माण करो", जिस पर सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। उन्होंने कहा, "अगले 100 वर्षों का अवसर भारत में निहित है। एशिया की, भारत की उस भावना को आगे बढ़ाइए जो विश्व मंच पर प्रकाशमान हो"।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh. and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI

सम्पादकीय

यूएस के टैरिफ के चलते कई हीरो व्यापारियों के हीरो उद्योग से बाहर हो जाने का खतरा

भारत पर अतिरिक्त 25 फीसदी अमेरिकी टैरिफ बुधवार को लागू हो गया। इसी के साथ भारतीय वस्तुओं पर अतिरिक्त टैरिफ बढ़कर 50 फीसद हो गया। माना जा रहा है 48 अरब डॉलर से ज्यादा का अमेरिका को दिए जाने वाला भारतीय निर्यात इससे प्रभावित होगा। भारत के वस्त्र, परिधान, रत्न आभूषण, झींगा, चमड़ा, टेक्सटाइल इत्यादि बहुत से उद्योगों पर सीधा असर पड़ेगा। मैंने वुछ दिन पहले हरियाणा के उद्योगों पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों का वर्णन किया था। आज मैं गुजरात के सूरत हीरा उद्योग के बारे में बताने का प्रयास करूंगा। सूरत दुनिया में हीरा की कटिंग और पालिशिंग के लिए जाना जाता है। लेकिन अब इस उद्योग पर निर्भर रहने वाले लोग मुश्किल में हैं। 50 फीसदी टैरिफ ने इस क्षेत्र के व्यापारियों के साथ-साथ मजदूरों को भी चिंता में डाल दिया है। हीरा उद्योग से जुड़े 25 लाख से ज्यादा कामगार इससे प्रभावित हो सकते हैं। 50 फीसदी टैरिफ लगाने का असर सबसे ज्यादा इस क्षेत्र पर पड़ रहा है क्योंकि सूरत का हीरा उद्योग अमेरिका के किए जाने वाले निर्यात पर ज्यादा निर्भर है। वुछ लोगों का मानना है कि अगर टैरिफ कम नहीं किया गया तो कई व्यापारी हीरा उद्योग से बाहर हो जाएंगे। कई लोगों की नौकरियां चली जाएंगी और भयंकर मंदी आ जाएगी। हालांकि दूसरी ओर हीरा उद्योग से जुड़े संगठन जैसे सूरत डायमंड एसोसिएशन और साउथ गुजरात चेंबर ऑफ कॉमर्स का मानना है कि अमेरिकी टैरिफ से वुछ मंदी आएगी लेकिन समय के साथ स्थिति स्थिर हो जाएगी क्योंकि भारत को हीरा उद्योग की जितनी जरूरत है, अमेरिका में भी हीरों की उतनी ही मांग है। इसलिए वहां के लोग, व्यापारी भी इस समस्या का समाधान चाहते हैं। सूरत की कई छोटी पैक्ट्रियों में 20 से 200 श्रमिक तक काम करते हैं। राज्यों में तो यह संख्या 500 तक होती है और सूरत में ऐसी हजारों पैक्ट्रियां हैं। हाल ही में कई लोगों को नौकरी से निकाल दिया गया है। सूरत में कई छोटी-बड़ी पैक्ट्रियों का यह हाल है कि 20 साल पहले शैलेश मंगुकिया ने सिर्प एक पॉलिशिंग व्हील (चक्की) से हीरा पालिश करने की एक यूनिट शुरू की थी जो अब इतनी बड़ी हो गईं कि यहां कामगारों की संख्या 3 से बढ़कर 300 हो गईं, हालांकि अब इस पैक्ट्री में सिर्प 70 लोग ही बचे हैं। वे कहते हैं कि सारे आर्डर वैंसल कर दिए गए है। मजदूरों को कहना पड़ रहा है कि काम नहीं है। आर्डर नहीं होने की वजह से काम नहीं है और काम न होने की वजह से सैलरी देने के पैसे नहीं हैं। पिछले साल अगस्त में उनकी पैक्ट्री में हर महीने औसतन 2000 हीरों की प्रोसेसिंग हो रही थी। लेकिन इस साल घटकर मात्र 300 रह गईं है। श्रमिक सुरेश राठौर ने कहा, आमतौर पर हमें जन्माष्टमी के दौरान सिर्प 2 दिन की छुट्टी मिलती थी, इस बार हमें 10 दिन की बिना वेतन छुट्टी दी गईं। हम ऐसे वैसे रह सकते हैं? सुरेश राठौर जैसे कई कारीगर हैं, जो इस तरह प्रभावित हो रहे हैं। सूरत डायमंड पालिशर्स यूनियन के भावेश टांक कहते हैं कि हमारे पास इस समय बहुत से जौहरी शिकायत लेकर आ रहे हैं कि उनका वेतन कम कर दिया गया या उन्हें नौकरी से निकाल दिया गया। हजारों मजदूरों की आमदनी कम हो रही है। उद्योग जगत के नेताओं ने एक स्पेशल डायमंड टास्क फोर्स बनाई है। जो इस स्थिति का समाधान निकालने की कोशिश करेगी। दक्षिण गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष निखिल मद्रासी ने इस बारे में बीबीसी से कहा, अमेरिकी बाजार पर भारी निर्भरता के कारण लंबे समय में बड़ा झटका लगेगा। पुराने आर्डर पूरे हो गए हैं, लेकिन नए आर्डर का भविष्य अस्पष्ट है। सरकार को तुरंत मदद करनी होगी। उन्होंने कहा कि कई व्यापारी मध्य पूर्व और यूरोप जैसे बाजारों में अवसर तलाश रहे हैं और वुछ तो बाईपास मार्गों के जरिए अमेरिका तक माल पहुंचने का प्रयास कर रहे हैं। हालांकि उनके अनुसार अब अलग- अलग यूरोपीय देशों में नए बाजारों की तलाश करने की जरूरत है। सवाल यह है कि सूरत के हीरा उद्योग को वैसे बचाया जा सकता है? इस उद्योग जगत के वुछ लोगों का कहना है कि आने वाले दिनों में स्थिति और खराब हो सकती है। जेम एंड ज्वैलरी एक्सपर्ट प्रमोशन काउंसिल (जीजेईपीसी) के गुजरात अध्यक्ष जयंति भाई सावलिया का मानना है कि अब समय आ गया है कि अमेरिका पर निर्भरता कम की जाए और अन्य बाजारों की ओर देखा जाए।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर खेल महाकुंभ-2025 के लिए रजिस्ट्रेशन की शुरूआत की

गांधीनगर, 29अगस्त : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने हॉकी के जादूगर कहे जाने वाले मेजर ध्यानचंद की जयंती पर देश भर में मनाए जाने वाले राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर शुक्रवार को गुजरात के सबसे बड़े खेल उत्सव 'खेल महाकुंभ-2025' के लिए रजिस्ट्रेशन का प्रारंभ किया।

राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट एसोसिएशन ऑफ गुजरात की ओर से अहमदाबाद के कर्णावती क्लब में अवॉर्ड समारोह का आयोजन किया गया। इस मौके पर खेल क्षेत्र में उपलब्धियां हासिल करने वाले खेल जगत से जुड़े 20 लोगों को अवॉर्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने इस अवसर पर कहा कि खेल भावना किसी भी खेल का एक अनिवार्य पहलू है। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट एसोसिएशन ऑफ गुजरात की ओर से खेल क्षेत्र में विशिष्ट योगदान देने वाले महानुभावों को सम्मानित करने का कार्यक्रम हम सभी के लिए गर्व की बात है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय खेल दिवस इस वर्ष गुजरात के लिए काफी अहम है, क्योंकि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने कॉमनवेल्थ खेल 2030 के लिए अहमदाबाद की दावेदारी को मंजूरी दी है।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि विश्वस्तरीय स्टेडियम, अत्याधुनिक प्रशिक्षण सुविधाओं और उत्साही खेल संस्कृति वाला अहमदाबाद इस खेल के आयोजन के लिए एक आदर्श मेजबान शहर होगा।

गुजरात में खेल संस्कृति के संबंध में मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि गुजरात को ढाई दशकों से खेल और फिटनेस को लेकर प्रधानमंत्री के विजन का लाभ मिल रहा है। आज गुजरात में जिस पैमाने पर खेल संस्कृति विकसित हुई है, यह उनके ही विजन का ही परिणाम है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 'खेले वह खिले' मंत्र के साथ वर्ष 2010 में गुजरात में खेल महाकुंभ की शुरूआत की थी। खेल महाकुंभ 3.0 में रिकॉर्ड ब्रेक 71 लाख से अधिक खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था। उन्होंने राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर शुरू हुए खेल महाकुंभ-2025 के रजिस्ट्रेशन

का उल्लेख करते हुए राज्य के सभी खेल प्रेमियों से इसमें रजिस्ट्रेशन कराने का अनुरोध किया।

राज्य में खेलों के बुनियादी ढांचे और खेल संस्कृति के विकास के बारे में आगे उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व और मार्गदर्शन के परिणामस्वरूप गुजरात ने खेल क्षेत्र में अनेक उपलब्धियां हासिल की हैं। आज उभरते खिलाड़ियों को बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर, उपकरण और सुविधाएं तथा प्रशिक्षण आसानी से उपलब्ध हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में पिछले दो दशक में राज्य में खेलों के बुनियादी ढांचे का निरंतर विकास हुआ है। 2002 में राज्य में 3 स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स थे, जबकि आज राज्य के खिलाड़ियों के लिए 24 स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स उपलब्ध हैं।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि अहमदाबाद के नारणपुरा इलाके में 22 एकड़ क्षेत्र में मल्टी यूटिलिटी स्पोर्ट्स सेंटर आकार ले रहा है। यही नहीं, दुनिया के सबसे बड़े क्रिकेट स्टेडियम नरेन्द्र मोदी स्टेडियम के पास 233 एकड़ क्षेत्र में सरदार वल्लभभाई पटेल स्पोर्ट्स एन्क्लेव का निर्माण हो रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में गत एक दशक में देश की खेल संस्कृति में बहुत बड़ा परिवर्तन आया है। केंद्र सरकार ने हाल ही में संसद सत्र के दौरान राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक, 2025 और राष्ट्रीय डोपिंग रोधी (संशोधन) विधेयक, 2025 पारित कर खिलाड़ियों के हितों की रक्षा का ऐतिहासिक कदम उठाया है। भारत को वैश्विक खेल जगत का पावर हाऊस बनाने और 2036 के ओलंपिक खेलों सहित अंतरराष्ट्रीय खेल कार्यक्रमों में मजबूत दावेदारी करने के उद्देश्य से स्पोर्ट्स पॉलिसी-2025 भी घोषित की गई है।

मुख्यमंत्री ने सभी लोगों से देश में ही बने स्वदेशी उत्पाद और खेल सामग्री खरीदकर वोकल फॉर लोकल के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत और विकसित गुजरात से विकसित भारत के निर्माण में योगदान देने का अनुरोध किया।

राज्य सभा सांसद श्री नरहरिभाई अमीन ने कहा कि आज भारत खेल क्षेत्र में नए मील के पत्थर स्थापित कर रहा है, इसमें गुजरात का भी बड़ा योगदान रहा है। राज्य में खेल गतिविधियों का दायरा बहुत ही प्रशंसनीय तरीके से बढ़ रहा है। इन गतिविधियों को जन-जन तक पहुंचाने वाले स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट एसोसिएशन ऑफ गुजरात का योगदान भी अहम है। उन्होंने कहा कि देश में राष्ट्रीय खेल दिवस मनाने की शुरूआत प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने की है।

पद्मश्री और कॉमनवेल्थ खेलों में स्वर्ण पदक विजेता मीराबाई चानू ने कहा कि गुजरात खेल प्रिय राज्य है। उन्होंने कहा कि कॉमनवेल्थ वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में उन्हें उपलब्धि हासिल हुई है, वह भी गुजरात में। यह उनके लिए बहुत ही गौरव की बात है। उन्होंने खिलाड़ियों से अपील करते हुए कहा कि अपने खेल में सर्वश्रेष्ठ देने का संकल्प ही हमारी ताकत है।

80% राष्ट्रीय योगदान और ₹3,995 करोड़ निर्यात के साथ जीरा व्यापार में उंझा का परचम, वीजीआरसी में होगी विशेष चर्चा

ऊंझा से ₹3,995 करोड़ जीरा और मसाला बीजों का निर्यात पिछले वर्ष की तुलना में उंझा में जीरे की आवक में 17.5% की वृद्धि

गुजरात से जीरा व मसाला बीजों का 101 देशों को निर्यात; प्रमुख बाजार चीन, बांग्लादेश, वअए, अमेरिका व मोरक्को

गांधीनगर, 29 अगस्त 2025: प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के सक्षम नेतृत्व में गुजरात का कृषि क्षेत्र निरंतर नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहा है। आधुनिक कृषि तकनीकों का अपनाना, सुदृढ़ बाजार ढांचा और वैश्विक व्यापार में सक्रिय भागीदारी ने राज्य को न केवल राष्ट्रीय स्तर पर, बल्कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी एक मजबूत पहचान दिलाई है।

इसी प्रगति का उत्कृष्ट उदाहरण है उत्तर गुजरात के मेहसाणा जिले का ऊंझा, जिसने अपनी विशिष्ट पहचान के साथ देश-विदेश के मसाला बाजार में एक मजबूत स्थान बनाया है। भारत ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी उच्च गुणवत्ता वाला जीरा और अन्य मसाला बीजों की निरंतर आपूर्ति करते हुए ऊँझा ने गुजरात की नेतृत्वकारी स्थिति को और सुदृढ़

किया है।

आज, जीरा और अन्य मसाला बीजों के निर्यात में गुजरात का योगदान देश की कुल हिस्सेदारी का लगभग 80% है, जो राज्य के कृषि क्षेत्र की असाधारण सफलता का प्रमाण है। वित्त वर्ष 2024-25 के आँकड़े बताते हैं कि केवल मेहसाणा जिले से ही लगभग ₹3,995 करोड़ मूल्य के जीरा और अन्य मसाला बीज 101 देशों को निर्यात किए गए। इनमें प्रमुख बाजार चीन (25%), बांग्लादेश (16%), संयुक्त अरब अमीरात (10%), अमेरिका (5%) और मोरक्को (4%) शामिल हैं।

कृषि मंत्रालय के एगमार्कनेट के ताजा आंकड़ों के अनुसार, 15 फरवरी से 10 अप्रैल 2025 के बीच उंझा एपीएमसी में 54,410 मीट्रिक टन (एमटी) जीरे की आवक दर्ज की गई, जो पिछले वर्ष की 46,313 एमटी की तुलना में 17.5% अधिक है। यह वृद्धि न केवल किसानों की मेहनत का परिणाम है, बल्कि उंझा की मजबूत आपूर्ति श्रृंखला का प्रमाण भी है, जिसने इसे मसाला अर्थव्यवस्था का धड़कता हुआ केंद्र बनाए रखा है। यह नेटवर्क हजारों किसानों और व्यापारियों को रोजगार व व्यापारिक अवसर प्रदान करता है। वर्ष 2023-24 के आधिकारिक पूर्वानुमान के मुताबिक, इस क्षेत्र में कुल 72,100.59 एमटी जीरे का उत्पादन हुआ, जिसमें बनासकांठा 41,800.73 एमटी के साथ पहले और पाटन 29,900.09 एमटी के साथ दूसरे स्थान पर रहा।

दफन सोना, घातक झूठः कलर्स का 'नयनतारा' सामने लाता है परिवार के भीतर छिपे कातिल को

खजाने की खोज पूरी हो चुकी है, लेकिन असली खेल तो अब शुरू हुआ है। कलर्स के शो नयनतारा में जीत का जश्न मनाने का जो पल होना चाहिए था, वही परिवार के लिए सबसे विनाशकारी सच लेकर आता है। नयनतारा (श्रुति बिष्ट द्वारा निभाया किरदार), जिसे परलोक से आवाजें सुनने की अलौकिक शक्ति प्राप्त है, हमेशा इस वरदान का इस्तेमाल लोगों की रक्षा और भलाई के लिए करती आई है। लेकिन लता (नारायणी शास्त्री), जिस पर पूरा परिवार एक आदर्श माँ के रूप में भरोसा करता है—वह नयनतारा की शक्ति का इस्तेमाल अपने खतरनाक खेल के लिए करती रही।

शुरूआत से ही लता का एकमात्र जुनून था—परिवार का खोया हुआ खजाना। उसने नयनतारा की अलौकिक शक्ति को अपनी महत्वाकांक्षा पूरा करने का साधन बना लिया। सुरजो (अर्जुन चक्रवर्ती), जो नयनतारा का पति है, उसकी जान को दांव पर लगाकर लता ने नयनतारा को खजाने की खोज में मजबूर किया। विषैले सांपों और

अनगिनत मुश्किलों से लड़ते हुए नयनतारा असंभव को संभव कर दिखाती है और लता को वह सब मिल जाता है जिसकी उसे चाह थी। लेकिन लता को अंदाजा नहीं था कि यही खजाना उसकी बबार्दी का कारण बनेगा, क्योंकि नयनतारा के पास ऐसा दांव था जिसके बारे में लता को कुछ पता ही नहीं था। नयनतारा जानती थी कि ठोस सबूत के बिना कोई भी लता की चालबाजी पर यकीन नहीं करेगा। और सबूत क्या हो सकता था, सिवाय उसी दफन खजाने के, जिसे पूरा परिवार देख सकता था? सबके सामने नयनतारा लता से पूछती है कि उसे क्या दिखाई दे रहा है। यहीं उसका झूठ खुल जाता है, क्योंकि जहाँ सबको सोने के गहने दिखाई देते हैं, वहीं लता को सिर्फ. रेंगते हुए सांप दिखाई देते हैं।

न्याय के उस पल में नयनतारा वह सच उजागर करती है जिसे लता ने सालों से छुपा रखा था। सुरजो की प्यार करने वाली माँ का मुखौटा उतर जाता है और सामने आती है एक कातिल की असली सूरत। परिवार विश्वासघात के इस झटके से हिलकर रह जाता है। सुरजो, जो कभी नयनतारा पर शक करता था, अब उसी से वादा करता है कि वह उसे वह सम्मान और स्थान देगा जिसकी वह हकदार है—उससे दोबारा विवाह करके।

खजाना मिल गया, झूठ का भंडाफोड़ हो गया और प्यार की जीत होती दिखी। लेकिन नयनतारा की दुनिया में कुछ राज कभी चैन से नहीं सोते। अतीत की एक परछाईं फिर लौटने वाली है, और यह होगा अब तक का सबसे बड़ा ट्विस्ट। क्या नयनतारा इस नए तूफान का सामना कर पाएगी?

देखिए 'नयनतारा' रोजाना रात 8:30 बजे, सिर्फ. कलर्स पर

भारतीय महासागर नौसेना संगोष्ठी (आईओएनएस-2025) के तत्वावधान में आयोजित 'उभरते हुए नेताओं की पैनल चर्चा' का समापन

(जीएनएस)।

हिंद महासागर नौसेना संगोष्ठी (आईओएनएस) के तत्वावधान में 'उभरते हुए नेता पैनल चर्चा' 27 से 28 अगस्त 2025 तक दक्षिणी नौसेना कमान, कोच्चि में आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में 19 सदस्य देशों के प्रतिनिधि एक मंच पर आए, जिससे युवा नौसेना के नेताओं को विचारों का आदान-प्रदान करने, अनुभव साझा करने और हिंद महासागर क्षेत्र में समुद्री सहयोग के भविष्य पर विचार-विमर्श करने के लिए एक समावेशी मंच मिला।

दक्षिणी नौसेना कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ, वाइस एडमिरल वी. श्रीनिवास ने मुख्य भाषण देते हुए विचारोत्तेजक चचाओं का मंच तैयार किया। उनके संबोधन ने हिंद महासागर क्षेत्र में संवाद, आपसी विश्वास और सहयोगात्मक सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए भारतीय नौसेना की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

दो दिवसीय कार्यक्रम में चार विषयगत सत्र शामिल थे। उद्घाटन सत्र में हिंद महासागर क्षेत्र के सामरिक

महत्व और युवा अधिकारियों के दृष्टिकोण से सामने आने वाली चुनौतियों पर चर्चा की गई। इसमें हिंद महासागर क्षेत्र की सुरक्षा, समुद्री व्यापार सुरक्षा, जलवायु प्रभाव और भू-राजनीतिक गतिशीलता से जुड़े प्रमुख मुद्दों पर प्रकाश डाला गया और नवोन्मेषी दृष्टिकोणों को भी शामिल किया गया।

दूसरा सत्र 'समुद्री सुरक्षा में उभरती प्रौद्योगिकियों' पर केंद्रित था, जिसमें प्रतिभागियों ने समुद्री सुरक्षा के समर्थन में समुद्री टोही, एआई-सक्षम प्रणालियों, मानवरहित प्लेटफार्मों, साइबर खतरों और अंतरिक्ष-आधारित निगरानी में उभरती प्रौद्योगिकियों का पता लगाया।

दूसरे दिन की शुरूआत 'समुद्री सुरक्षा की दिशा में सहयोग को बढ़ावा देने में आईओएनएस की भावी भूमिका' विषय पर तीसरे सत्र से हुई। पैनलिस्टों ने क्षेत्रीय साझेदारियों को मजबूत करने के लिए बेहतर अंतर-संचालन, संयुक्त अभ्यास और पेशेवर आदान-प्रदान की आवश्यकता पर जोर दिया। अंतिम सत्र में 'आईओएनएस देशों के बीच प्रशिक्षण क्षमताओं का दोहन - भविष्य की रूपरेखा' पर चर्चा हुई। चचाएँ संसाधनों के एकत्रीकरण, प्रशिक्षण संबंधों के विस्तार और सामूहिक तैयारी को बढ़ाने के लिए साझा ढाँचे के विकास पर केंद्रित रहीं।

पैनल चचाओं के अलावा, सांस्कृतिक और सामाजिक संवाद भी आयोजित किए गए, जिससे प्रतिभागियों को केरल की समुद्री विरासत का अनुभव करने और व्यक्तिगत सौहार्द बढ़ाने का अवसर मिला। पेशेवर संवाद और अनौपचारिक मेल-मिलाप के मिश्रण

डाक विभाग ने भारत के डिजिटल पता प्रणाली को उन्नत बनाने के लिए मैपमाईइंडिया के साथ साझेदारी की

(जीएनएस)।

संचार मंत्रालय के डाक विभाग (डीओपी) ने अवस्थिति प्रौद्योगिकी, आईओटी और भू-स्थानिक समाधान प्रदान करने वाली कंपनी, मैपमाईइंडिया-मैपल्स के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस सहयोग का उद्देश्य डिजिपिन के विकास और कार्यान्वयन में सहायता के लिए मैपमाईइंडिया के मानचित्रण प्लेटफॉर्म और उत्पादों का उपयोग करना है।

डाक भवन, नई दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में डाक विभाग और मैपमाईइंडिया-मैपल्स के नामित प्रतिनिधियों ने इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

समझौते की शर्तों के तहत, मैपमाईइंडिया "अपने डिजिपिन को जानें" अनुप्रयोग में एकीकरण के लिए आधार मानचित्र प्रदान करेगा, जिससे उपयोगकताओं के लिए दृश्यता बढ़ेगी और भौगोलिक स्थान के आधार पर सटीक डिजिपिन तैयार करना संभव होगा। इसके अलावा, मैपल्स अनुप्रयोग में डिजिपिन कार्यक्षमता को शामिल किया जाएगा, जिससे उपयोगकर्ता डिजिपिन का उपयोग करके स्थानों की खोज कर सकेंगे। मैपमाईइंडिया अपने डेटाबेस में

पहले से ही पहचान किये गये पतों पर डिजिपिन के आवंटन की सुविधा भी प्रदान करेगा, जिससे अवस्थिति-आधारित सेवाओं को मजबूती मिलेगी और विभिन्न प्लेटफॉर्म पर डिजिपिन को व्यापक रूप से अपनाने को बढ़ावा मिलेगा।

इस अवसर पर, डाक विभाग के सदस्य (संचालन) श्री हरप्रीत सिंह ने कहा, "यह साझेदारी डिजिपिन की पहुँच और सुगमता को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाएगी। मैपमाईइंडिया के मानचित्रण प्लेटफॉर्म के साथ एकीकरण करके, हम एक मानकीकृत डिजिटल पता प्रणाली बना रहे हैं जिससे लाखों नागरिकों को लाभ होगा और कुशल सेवा वितरण के लिए भारत की डिजिटल अवसंरचना को मजबूती मिलेगी।"

मैपमाईइंडिया मैपल्स के सह-संस्थापक और अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री राकेश वर्मा ने कहा, "मैपमाईइंडिया मैपल्स को पूरी तरह से स्वदेशी राष्ट्रीय डिजिटल पता प्रणाली विकसित करने के लिए डाक विभाग के साथ हाथ मिलाने पर गर्व है। डाक विभाग के डिजिपिन अनुप्रयोगों में एकीकृत होने के बाद, एपीआई और एसडीके का मैपमाईइंडिया मैपल्स सूट, डिजिपिन से संबंधित विभिन्न सेवाओं और समाधानों के निर्माण द्वारा अरबों भारतीय नागरिकों और व्यवसायों को सशक्त बनाएगा, साथ ही मैपल्स ऐप के माध्यम से उन तक निर्बाध पहुँच भी सुनिश्चित करेगा।"

सरकार ने सैन्य प्रशिक्षण से मेडिकल बोर्ड-आउट अधिकारी कैडेटों के लिए ईसीएचएस सुविधाओं के लिए मंजूरी दी

(जीएनएस)।

सरकार ने सशस्त्र बलों की गरिमा और कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए उन अधिकारी कैडेटों को पूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना (ईसीएचएस) सुविधा प्रदान करने को मंजूरी दे दी है, जो सैन्य प्रशिक्षण की वजह से या उसके कारण उत्पन्न चिकित्सा आधार पर प्रशिक्षण से वंचित (बोर्ड-आउट) रह जाते हैं। देश की सेवा करने की आकांक्षा से एनडीए, ओटीए और आईएमए जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में शामिल होने वाले कैडेट अक्सर आजीवन विकलांगता का सामना करते हैं, लेकिन वर्तमान में वे ईसीएचएस के लिए पात्र नहीं हैं क्योंकि उन्हें पूर्व सैनिक (ईएसएम) का दर्जा नहीं दिया जाता है।

यह कदम उन कैडेटों पर लागू है जिन्हें प्रशिक्षण पूरा होने से पहले ही चिकित्सा आधार पर प्रशिक्षण से वंचित कर दिया गया है। भविष्य में इसी तरह के मामलों में भी इसका विस्तार किया जा सकता है। मानवीय प्रकृति और परिवारों पर पड़ने वाले वित्तीय बोझ को ध्यान में रखते हुए, सरकार ने अन्य श्रेणियों के लिए कोई मिसाल कायम किए बिना ऐसे कैडेटों के लिए गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा देखभाल को मंजूरी दी है। ईसीएचएस सुविधाओं की मंजूरी निम्नलिखित शर्तों के अधीन होगी :

ईसीएचएस की सदस्यता के लिए आवेदन करें और ईसीएचएस नियमों को स्वीकार करें

केवल व्यक्तिगत उपयोग के लिए सुविधा

ईसीएचएस पॉलीक्लिनिक्स से निःशुल्क ओपीडी सेवाओं का लाभ उठाएं

ईसीएचएस पैनलबद्ध अस्पतालों में कैशलेस ओपीडी/आईपीडी/जांच का लाभ उठाएं

किसी अन्य सरकारी स्वास्थ्य योजना का सदस्य नहीं होना चाहिए।

ईसीएचएस योजना में शामिल होने के लिए अधिकारी कैडेटों से एकमुश्त सदस्यता शुल्क (अर्थात ईएसएम अधिकारियों के लिए वर्तमान में लागू 1.20 लाख रुपये) नहीं लिया जाएगा।

यद्यपि प्रतिवर्ष कुछ कैडेट प्रभावित होते हैं, फिर भी उनके परिवारों पर आर्थिक और भावनात्मक बोझ काफी अधिक होता है। ऐसे मामलों में, ऐसे कैडेटों को मासिक अनुग्रह राशि प्रदान की जाती है। इसके अतिरिक्त, विकलांगता की सीमा (20 प्रतिशत से 100 प्रतिशत) के आधार पर, ऐसे कैडेटों को मासिक अनुग्रह राशि भी प्रदान की जाती है। इस अनुमोदन के साथ, ये कैडेट अब ईसीएचएस के अंतर्गत कैशलेस और कैपलेस स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाने के पात्र होंगे।

ईसीएचएस की शुरूआत अप्रैल 2003 में पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों के लिए सशस्त्र बलों तथा देश भर के निजी सूचीबद्ध/सरकारी अस्पतालों के विद्यमान चिकित्सा ढांचे का उपयोग करके की गई थी।

हॉकी के जादूगर पद्मभूषण, मेजर ध्यानचंद जी की जयंती राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा सहायक खेल प्रशिक्षकों को नियुक्ति पत्र वितरण एवं राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में उत्तर प्रदेश के 88 पदक विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार राशि का वितरण

सुग्नामल में शुरू हुआ 'ऑल थिंग्स ब्राइड एंड ब्यूटीफुल' का भव्य आयोजन

- ब्राइडल मेकओवर और ज्वेलरी स्टाइलिंग से दुल्हन का सपना हुआ साकार

- चला ब्राइडल ग्लैमर का जादू, पेश हुए नए वेडिंग ट्रेंड्स

लखनऊ, 29 अगस्त 2025: शादी की तैयारियों में हर दुल्हन चाहती है कि उसका लुक सबसे खास और यादगार हो। इसी को ध्यान में रखते हुए सुग्नामल, हजरतगंज ने ह्यऑल

थिंग्स ब्राइड एंड ब्यूटीफुलह्न की शुरूआत की गई, जहाँ फैशन, ज्वेलरी और मेकओवर से जुड़ी हर ख्वाहिश एक ही छत के नीचे पूरी होगी।

हजरतगंज स्थित सुग्नामल में शुक्रवार से ह्यऑल थिंग्स ब्राइड एंड ब्यूटीफुलह्न का दो दिवसीय आयोजन शुरू हुआ। 29 और 30 अगस्त को आयोजित इस कार्यक्रम में मिस यूपी तनिष्का शर्मा ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में ब्राइडल और फैशन लवर्स के लिए खास तैयारियां की गईं।

इस आयोजन में गीतांजलि सैलून और जुगल किशोर ज्वेलर्स बाय राजन रस्तोगी के सहयोग से प्रतिभागियों को ब्राइडल मेकओवर, ज्वेलरी स्टाइलिंग सेशन और पर्सनल स्टाइलिंग कंसल्टेशन दिया जा रहा है। साथ ही स्टाइलिस्ट, डिजाइनर शुभी पाठक एवं तूलिका प्रवीन ने वेडिंग ट्रेंड्स शोकेस के माध्यम से लेटेस्ट ब्राइडल कलेक्शन और डिजाइन प्रस्तुत किए।

सुग्नामल में आई महिलाओं को अपने लिए परफेक्ट ब्राइडल लुक चुनने, मेकअप और स्टाइलिंग आइडियाज समझने और ज्वेलरी मैचिंग का अनुभव करने का मौका मिला। इस आयोजन में प्रतिभागियों के लिए एक्सक्लूसिव फेस्टिव डिस्काउंट भी दिए जा रहे हैं।

30 अगस्त तक चलने वाले आयोजन के पहले दिन बड़ी संख्या में लोगों ने शामिल होकर फैशन और ब्राइडल स्टाइलिंग की दुनिया को करीब से अनुभव किया।

सुग्नामल क्रिएशन के पार्टनर रोहित गुरनानी ने कहा कि हमारा प्रयास दुल्हनों और फैशन प्रेमियों के लिए एक शानदार मंच उपलब्ध कराना है। आने वाले समय में भी ऐसे आयोजन फैशन और ब्राइडल ट्रेंड्स का आयोजन करते रहेंगे।

सुग्नामल की पार्टनर मुस्कान गुरनानी ने बताया कि सुग्नामल में हम दुल्हनों के लिए सिर्फ लहंगा ट्रायल ही नहीं करवाते बल्कि हमारे स्टाइलिस्ट और एक्सपर्ट्स उनके लुक को सामने लाने में उनकी मदद करते हैं। इसी अनुभव को जीवंत बनाने के लिए हम ह्यऑल थिंग्स ब्राइड एंड ब्यूटीफुलह्न का दो दिवसीय आयोजन कर रहे हैं।

हथियार के साथ रील बना वायरल, पुलिस ने शुरू की जांच

(जीएनएस)।
बिजनौर।

कोतवाली शहर क्षेत्र के मोहल्ला आदर्श नगर में एक युवक का तमंचे के साथ वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने से सनसनी फैल गई। वीडियो में युवक हाथ में अवैध तमंचा लहराते हुए दिखाई दे रहा है। बताया जा रहा है कि युवक ने यह वीडियो व्हाट्सएप और फेसबुक स्टेटस पर भी लगाया, जिससे मोहल्ले के लोगों में भय और आक्रोश का माहौल बन गया।

स्थानीय लोगों का कहना है कि युवक अक्सर इस तरह की हरकतें कर अपने मोहल्ले में रौब झाड़ने की कोशिश करता है। वीडियो वायरल होते ही पुलिस हरकत में आई और युवक की तलाश शुरू कर दी। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इस तरह की हरकतें न केवल कानून का उल्लंघन हैं बल्कि समाज में डर और असुरक्षा का वातावरण भी पैदा करती हैं।

सूत्रों के मुताबिक, युवक मोहल्ला आदर्श नगर का रहने वाला है और

उसने वीडियो बनाते समय यह अंदाजा भी नहीं लगाया कि तमंचे के साथ स्टंट करना और उसे सोशल मीडिया पर शेयर करना उसके लिए कितनी बड़ी मुश्किल खड़ी कर सकता है। पुलिस टीम युवक की पहचान और गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही है।

पुलिस ने साफ कहा है कि अवैध हथियारों का प्रदर्शन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। वहीं मोहल्लेवासियों ने भी प्रशासन से मांग की है कि ऐसे लोगों पर कड़ी कार्यवाही हो ताकि भविष्य में कोई और युवक इस तरह का दुस्साहस न कर सके।

डीएम जसजीत कौर का निर्देश: गंगा नदी में नहीं होगा मूर्ति विसर्जन

(जीएनएस)।
बिजनौर।

जिलाधिकारी जसजीत कौर ने साफ कहा है कि गंगा नदी को प्रदूषित करने की किसी को अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने बताया कि मूर्ति निर्माण में अक्सर केमिकल युक्त मिट्टी और अन्य सामग्री का प्रयोग किया जाता है, जो गंगा के जल को प्रदूषित कर जलीय जीवन के लिए गंभीर खतरा बनते हैं।

डीएम ने बताया कि शासन के निर्देशों के अनुरूप गंगा को निर्मल और अविरल बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन पूर्णतः प्रतिबद्ध है। इसी क्रम में गंगा में प्रत्यक्ष रूप से किसी भी प्रकार का मूर्ति विसर्जन नहीं किया जाएगा। इसके लिए जिला प्रशासन ने वैकल्पिक व्यवस्था की है।

उन्होंने नगर पालिका के अधिशासी अधिकारियों को निर्देशित किया कि गंगा तट से हटकर बड़े गड्ढे खुदवाकर उन्हें गंगाजल से भरवाया जाए और उनका सौंदर्यकरण कराया जाए। इन कृत्रिम तालाबों में श्रद्धालु सुरक्षित तरीके से मूर्तियों का विसर्जन कर सकेंगे।

डीएम जसजीत कौर ने जनता से अपील की कि गंगा को प्रदूषणमुक्त रखने में सहयोग करें। साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि जो लोग गंगा में मूर्ति विसर्जन करेंगे या किसी भी प्रकार से प्रदूषण फैलाने की कोशिश करेंगे, उनके खिलाफ नियमों के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

ख्वाजा गरीब नवाज की दरगाह में पेश की गयी चादर, अमन-चैन और भाईचारे की मांगी दुआ

लखनऊ । आगामी ईद मिलादुन्नबी के मौके पर राजस्थान में अजमेर शरीफ ख्वाजा गरीब नवाज की दरगाह में आकर्षक सजावट की गई है। दरगाह को रंग-बिरंगी लाइटों के साथ साथ आकर्षक फूलों से भी सजाया गया है।

इस मौके पर एसएन मेमोरियल पब्लिक स्कूल बसंतपुर देवरिया उत्तर प्रदेश के प्रबंधक इंजीनियर फैयाज अहमद खान ने ख्वाजा गरीब नवाज की दरगाह में चादर पेश की। साथ ही मुल्क में अमन-चैन और भाईचारे की दुआएं मांगी। अजमेर शरीफ स्थित ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती के दरगाह पर सरकार की तरफ से चादर पेश की गई। दरगाह में चादर पेश करने के बाद भारत में हिंदू-मुस्लिम एकता के मजबूत रिश्तों के लिए दुआ की गई। इस दौरान मोहम्मद रियाज खान, रफीउल्लाह खान, अबरार अहमद, सरफराज खान, अब्दुल रसीद, आफताब आलम, एजाज, अब्दुल बशीर ने ख्वाजा गरीब नवाज की बारगाह में दुआएं मांगी।

श्रद्धा-भक्ति-विश्वास के साथ संपन्न हुआ अघोर परंपरा का प्रमुख पर्व 'लोलार्क षष्ठी'

अनपरा (सोनभद्र)। काशी को 'दुनिया का सबसे प्राचीन शहर' होने का खिताब हासिल है । इस शहर को अध्यात्मिक ऊर्जा और पर्वों का केंद्र माना जाता है । इन्हीं में से एक है 'लोलार्क षष्ठी' का पर्व । ये पर्व अध्यात्म की सर्वोच्च स्थिति वाली अघोर-परंपरा के वर्तमान स्वरुप के सर्वमान्य आचार्य-ईष्ट-आराध्य, अघोराचार्य महाराजश्री बाबा कीनाराम जी, के जन्म के छठवें दिन मनाए जाने वाले छठी समारोह के तौर पर कई सौ सालों से मनाया जाता है । पूरी दुनिया के अघोर साधू-संत-महात्मा-साधक-अनुयायी इस पर्व को अगाध आस्था और विश्वास के साथ मनाते हैं । हर साल वाराणसी स्थित बाबा कीनाराम जी की तपोभूमि और अघोर परंपरा के विश्वविख्यात केंद्र, 'बाबा कीनाराम स्थल, क्रीं-कुण्ड', में इस दिन दुनिया भर के अघोर पथिकों, साधू-सन्यासियों का जमावड़ा लगता है । इसी कड़ी में 2025 का 'लोलार्क छठ' (लोलार्क षष्ठी) 29 अगस्त को अपार जनसमुदाय की उपस्थिति में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया । 29 अगस्त को सुबह आश्रम परिसर की

साफ-सफाई और दैनिक आरती के बाद इंतजार शुरू हुआ बाबा कीनाराम जी , अघोरेश्वर महाप्रभु बाबा भगवान राम जी और बाबा कीनाराम जी के पुनरगामित स्वरुप और इस सिद्धपीठ के वर्तमान पीठाधीश्वर अघोराचार्य महाराजश्री बाबा सिद्धार्थ गौतम राम जी के दर्शन का । सुबह 9 बजे सम्पूर्ण संसार में समस्त अघोर परंपरा के सर्वमान्य आचार्य-ईष्ट-आराध्य, बाबा सिद्धार्थ गौतम राम जी, जैसे ही अपने कक्ष से बाहर आए, घंटा-डमरू-शंख और 'हर हर महादेव' के निनाद के साथ पूरा अघोर परिसर गगनभेदी उदघोष से गूँज उठा । सभी समाधियों की औपचारिक पूजा-अर्चना के बाद अघोराचार्य बाबा सिद्धार्थ गौतम राम जी जैसे ही अपने विश्वविख्यात औघड़ तख़्त पर विराजमान हुए, कतारबद्ध श्रद्धालुओं के बीच अपने आराध्य की एक झलक पाने के लिये होड़ मच गयी । लेकिन अति अनुशासित संयमित आस्थावानों की भीड़ ने अपना संयम नहीं खोया और लाइन में एक-एक कर अपने आराध्य का और परिसर में मौजूद बाबा कीनाराम जी, अघोरेश्वर महाप्रभु सहित सभी समाधियों का दर्शन पूजन किया । इस घोर आध्यात्मिक पर्व के मौके पर समाजिक संस्थान 'अघोराचार्य बाबा कीनाराम अघोर शोध एवं सेवा संस्थान' की 'महिला मण्डल' विंग की तरफ से समाजिक सरोकार का एक कार्यक्रम, 'रक्तदान शिविर', का भी आयोजन किया गया जिसमें 80 से ज्यादा लोगों ने स्वेक्षा से रक्तदान किया । उधर आश्रम परिसर के बाहर एक विशाल मेले का दृश्य था । सैकड़ों दुकानें और खरीददारी करते हजारों लोग दिखे। इधर अनुमानित भीड़ का आकलन करते हुए स्थानीय प्रशासन ने 2 दिन पहले से ही कमर कस लिया था । प्रशासनिक अधिकारी, आश्रम प्रबंधन के साथ लगातार समन्वय बनाए हुए थे । हर तरफ सुरक्षा की चाक-चौबंद व्यवस्था थी, जिसके चलते पूरा कार्यक्रमे सकुशल, शांतिपूर्वक संपन्ने गया।

होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने लखनऊ, उत्तर प्रदेश में नई सीबी125 हॉर्नेट और शाइन 100 डीएक्स लॉन्च की भव्य ग्राहक डिलीवरी के साथ उत्साह जगाया

लखनऊ। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) ने लखनऊ, उत्तर प्रदेश में नई सीबी125 हॉर्नेट और शाइन 100 डीएक्स पेश की। नई होंडा सीबी125 हॉर्नेट की कीमत 1,12,000 रुपये (विशेष प्रारंभिक ऑफर) रखी गई है, जबकि शाइन 100 डीएक्स की कीमत 74,100 रुपये तय की गई है। सभी कीमतें एक्स-शोरूम, लखनऊ की हैं। कंपनी ने दोनों मोटरसाइकिलों की भव्य ग्राहक डिलीवरी भी शुरू कर दी है।

नई पीढ़ी के सवारों को ध्यान में रखते हुए सीबी125 हॉर्नेट को तैयार किया गया है, जो अपने स्पोर्टी अंदाज और रोमांचक परफॉर्मेंस के साथ ह्यराइड योर रिजह्न की भावना को दशार्ती है। वहीं शाइन 100 डीएक्स अपने उन्नत फीचर्स और प्रीमियम स्टाइलिंग के साथ अपनी परंपरा को आगे बढ़ाती है, जो ग्राहकों की उम्मीदों पर खरी उतरती है - ह्यसॉलिड हैह्न। ग्राहक इन मोटरसाइकिलों की बुकिंग अपने नजदीकी होंडा अधिकृत डीलरशिप पर जाकर कर सकते हैं।

होंडा सीबी125 हॉर्नेट आक्रामक स्ट्रीट-स्टाइल डिजाइन के साथ आती है और चार आकर्षक रंग विकल्पों में उपलब्ध है - पर्ल सायरन ब्लू विद लेमन आइस येलो, पर्ल इग्नियस ब्लैक, पर्ल सायरन ब्लू विद एथलेटिक ब्लू मेटैलिक, और पर्ल सायरन ब्लू विद स्पोर्ट्स रेड। इसमें सेगमेंट में पहली बार सुनहरे यूएसडी फ्रंट फोर्क्स दिए गए हैं। साथ ही इसमें ऑल-एलईडी लाइटिंग सिस्टम और 4.2 इंच का टीएफटी डिस्प्ले दिया गया है, जो ब्लूटूथ-सक्षम होंडा रोडसिंक कनेक्टिविटी के साथ आता है, जिससे नेविगेशन, कॉल और एसएमएस अलर्ट्स तक आसान पहुंच मिलती है।

अतिरिक्त सुविधाओं में यूनिवर्सल टाइप-सी चार्जिंग पोर्ट और सिंगल-चैनल एबीएस के साथ आगे 240 मिमी पेटल डिस्क शामिल है। सीबी125 हॉर्नेट को शक्ति देता है 123.94 सीसी, सिंगल-सिलेंडर, फ्यूल-इंजेक्टेड, ओबीडी2बी मानक वाला इंजन, जो 8.2 किलोवाट पावर और 11.2 एनएम का पीक टॉर्क उत्पन्न करता है। यह 5-स्पीड गियरबॉक्स से लैस है और सिर्फ 5.4 सेकंड में 0 से 60 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार पकड़ सकती है, जिससे यह अपने वर्ग की सबसे तेज मोटरसाइकिल बन जाती है।

होंडा शाइन 100 डीएक्स प्रतिष्ठित ह्यशाइनह्न विरासत को एक नए, प्रीमियम डिजाइन के साथ आगे बढ़ाती है। इसमें नया डिजाइन किया गया हेडलैम्प आकर्षक क्रोम गार्निशिंग के साथ दिया गया है। चौड़ा और उभरा हुआ फ्यूल टैंक, आकर्षक बॉडी ग्राफिक्स, ऑल-ब्लैक इंजन और ग्रैब रेल को क्रोम मफलर कवर से और भी निखारा गया है। यह चार शानदार रंगों में उपलब्ध है - पर्ल इग्नियस ब्लैक, इम्पीरियल रेड मेटैलिक, एथलेटिक ब्लू मेटैलिक और जेनी ग्रे मेटैलिक।

ग्राहकों की बदलती जरूरतों को ध्यान में रखते हुए शाइन 100 डीएक्स को डिजिटल एलसीडी इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर से लैस किया गया है, जो रियल-टाइम माइलेज, डिस्टेंस-टू-एम्प्टी और सर्विस ड्यू रिमाइंडर जैसी जानकारियाँ प्रदर्शित करता है। नई शाइन 100 डीएक्स के केंद्र में 98.98 सीसी, सिंगल-सिलेंडर, फ्यूल-इंजेक्टेड, ओबीडी2बी मानक वाला इंजन है, जिसमें होंडा की भरोसेमंद ईएसपी (एन्हांस्ड स्मार्ट पावर) तकनीक दी गई है। यह इंजन 5.43 किलोवाट पावर और 8.04 एनएम का पीक टॉर्क पैदा करता है, जिसे 4-स्पीड गियरबॉक्स से जोड़ा गया है।

राधाअष्टमी के पावन पर्व को मनाने के लिए श्रीकृष्ण की नगरी हुई तैयार : आज शाम से बरसाना में शुरू हो जाएगा भव्य उत्सव

मथुरा (जीएनएस)। योगीराज भगवान श्रीकृष्ण की नगरी, आज और कल (शनिवार) को भव्य श्रीराधाअष्टमी उत्सव के लिए तैयार हो चुकी है। इस संबंध में लाड़ली जी मंदिर के संरक्षक ने बताया कि मंदिर में 15 लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं के दर्शन करने का अनुमान है। इस संबंध में जानकारी देते हुए श्रीराधारानी मंदिर, बरसाना के संरक्षक सुशील गोस्वामी ने बताया कि राधाअष्टमी उत्सव आज (शुक्रवार) की शाम को शुरू होगा और नन्दगांव तथा बरसाना के गोस्वामी समुदाय के लोग मंदिर में बधाई गीत गाएंगे। उन्होंने बताया कि रात में मंदिर बंद होने के बाद, भक्तों और संतों द्वारा पूरी रात बरसाना में विभिन्न स्थानों पर भजन एवं बधाई गीत गाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि कल (शनिवार) को सुबह 4 बजे (ब्रह्म मुहूर्त में) दो क्विंटल गाय के दूध, 11 किलो घी, दही, भूरा, शहद, औषधीय जड़ी-बूटियों और केसर से वैदिक मंत्रोच्चार और राधे-राधे के बीच महाभिषेक किया जाएगा। महाभिषेक से पहले मूल शांति अनुष्ठान किया जाता है, क्योंकि ऐसा माना जाता है कि राधारानी का जन्म मूल नक्षत्र में हुआ था। उन्होंने बताया कि इस अनुष्ठान के लिए 27 कुओं का जल, 27 पत्ते, 27 तीर्थ रज (पवित्र स्थानों की मिट्टी) का उपयोग किया जाता है। उन्होंने कहा कि "राधा जी को आभूषणों के साथ पीले रंग की पोशाक पहनाई जाएगी।" श्री गोस्वामी ने बताया कि गोस्वामी समुदाय के सेवायत मंदिर में महाभिषेक के बाद वृषभानोत्सव मनाएंगे। उन्होंने आगे कहा कि "उत्सव के दौरान भक्तों के लिए गर्भगृह से खिलौने, कपड़े और पैसे प्रसाद के रूप में लुटाए जाते हैं, जो राधारानी के जन्म पर वृषभान जी की प्रसन्नता को दर्शाने के लिए मनाया जाता है। इसके उपरांत शाम को राधारानी को छप्पन भोग का प्रसाद लगाया जाएगा। वहीं बरसाना स्थित श्रीराधारानी मंदिर के सेवायत बृजेश गोस्वामी ने बताया कि शाम को राधारानी के डोले को गोस्वामी समुदाय के सेवायत ढोल, बांसुरी और शहनाई की थाप के बीच छतरी तक ले जाते हैं। यह परंपरा साल में केवल तीन बार ही निभाई जाती है। उन्होंने ने कहा कि "ऐसा माना जाता है कि इस अनुष्ठान में उन लोगों को भी शाम को राधारानी का आशीर्वाद प्राप्त करने में का मौका मिलता है, जिन्हें अन्यथा मंदिर के अंदर जाने की अनुमति नहीं होती थी।"

श्रीबांकेबिहारी मंदिर में वीआईपी दर्शन के मामले में कोर्ट ने मंदिर प्रबंधक, डीएम और एसपी को नोटिस जारी करने के दिए आदेश : पंडित संजय हरियाणा

मथुरा (जीएनएस)। श्रीबांके बिहारी मंदिर में वीआईपी दर्शन के मामले में परंपरा तोड़ने पर अखिल भारत हिंदू महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष पंडित संजय हरियाणा और दीपक शर्मा एडवोकेट ने संयुक्त रूप से पिटीशन सिविल जज जूनियर डिवीजन की न्यायालय में प्रस्तुत किया गया था। जिसमें न्यायालय से आग्रह किया गया था कि सावन माह में जगमोहन ठाकुर जी का सिंहासन विराजमान होता है, वहां कुछ वीआईपी लोगों द्वारा कुर्सी पर बैठकर, ठाकुर जी के दर्शन करने के लिए अपने शैडो को भी अपने साथ ऊपर खड़ा करके जो अपने हाथ में हथियार लेकर मौजूद रहा और उनकी वीडियो भी बनाता रहा। जिससे ठाकुर जी के मान सम्मान और मयार्दा का उल्लंघन हुआ। उन्होंने कहा कि न्यायालय सिविल जज जूनियर डिवीजन के अपने पूर्व के आदेश जिसमें कोई भी वीडियो और फोटो नहीं खींच सकता, इसके बाद भी एक सरकारी कर्मचारी ने अपने हथियार के साथ वीडियो बनाते हुए कानून का और उल्लंघन किया है। उनका कहना है कि ठाकुर जी से कोई बड़ा नहीं होता, ठाकुर जी से बड़ा बनने का प्रयास वीआईपी लोगों द्वारा किया गया। इस संबंध में पंडित संजय हरियाणा का कहना है कि "भक्त बन रहे हैं भगवान" ऐसे वीआईपी लोगों से निजात पाने के लिए कानूनी कार्रवाई करने की आवश्यकता है और ठाकुर बांकेबिहारी जी के भक्त होने के कारण उन्हें बहुत पीड़ा हुई है। इस कारण उन्होंने यह पिटीशन न्यायालय के समक्ष 26 तारीख को दाखिल किया था। कहा कि आज शुक्रवार को दोपहर बाद कोर्ट के आदेश जानकारी हुई की मंदिर प्रबंधक, डीएम और एसपी को 29 सितंबर के लिए नोटिस जारी करने का आदेश न्यायालय द्वारा किया गया है। वहीं पंडित दीपक शर्मा एडवोकेट ने कहा कि ठाकुर जी के मंदिर में ठाकुर जी के सिंहासन के स्थान पर कुर्सियां लगाकर दर्शन करने से ठाकुर जी की मयार्दा भंग हुई है तथा मंदिर में हथियार ले जाना भी एक अपराध है। उन्होंने कहा कि कोर्ट के आदेश के खिलाफ फोटोग्राफी और वीडियो बनाना भी न्यायालय के आदेश का उल्लंघन है तथा यह कंटेंप्ट ऑफ कोर्ट की श्रेणी में आता है। इसके तहत जो भी दंडात्मक कार्रवाई न्यायालय की नजर में उचित हो तीनों विषय पर दंडित किया जाना जरूरी है। जिससे इसमें होने वाले आदेश को भविष्य में एक नजीर के रूप में देखा जाए।